महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 66 | उज्जैन, शनिवार 15 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सूचना

स्वतंत्रता दिवस पर दैनिक मालवा हेराल्ड कार्यालय में 15 अगस्त को अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा।

.... संपादक

भारत बनेगा विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अखंड भारत के संकल्प के साथ हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत संत हिरदाराम नगर के लिए रवाना हुई यात्रा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश उत्साह और उमंग से सराबोर है। दुनिया भारत को सामर्थ्यशाली और शक्तिशाली देश के रूप में देख रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नभ, जल और थल हर जगह तिरंगा शान से लहरा रहा है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और सबसे युवा देश है। आजादी के अमृतकाल तक भारत विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार रोड क्षेत्र में कर्मश्री संस्था द्वारा निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा की सराहना की। उन्होंने कहा कि यात्रा में युवाओं और स्थानीयजन की उपस्थिति देखकर मन उत्साह और उमंग से भर गया। युवाओं के जोश के बलबूते यह तिरंगा यात्रा देश की सबसे बड़ी तिरंगा यात्राओं में शामिल हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा में शामिल युवाओं और सभी प्रतिभागियों से राष्ट्रध्वज की गरिमा को अक्षुण्ण रखने के लिए राष्ट्रध्वज से संबंधित नियमों और निर्धारित मर्यादा का पालन करने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार रोड क्षेत्र में कर्मश्री संस्था द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा को मदर टेरेसा स्कूल से झंडी दिखाई और खुली जीप पर सवार होकर तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा आरंभ होने से पहले मदर टेरेसा स्कूल पर यात्रा को संबोधित भी किया। इस अवसर पर पूर्व प्रोटेम स्पीकर तथा विधायक श्री रामेश्वर शर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रियों के साथ ली सेल्फी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं को देश की एकता, अखंता और संप्रभुता के प्रति समर्पित भाव रखने के लिए प्रेरित किया। मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गरीब, किसान, युवा और नारी सहित सभी वर्गों की चिंता करते हुए आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश भौगोलिक रूप से देश का दूसरा बड़ा और युवा शक्ति के संदर्भ में देश का अग्रणी राज्य है। वर्ष 2025 को प्रदेश में औद्योगिक निवेश वर्ष के रूप में मनाया गया। वर्तमान में किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसानों की बेहतरी के लिए कार्य जारी है। प्रदेश में वर्ष 2027 को युवावर्ष के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रोटेम स्पीकर और विधायक श्री रामेश्वर शर्मा सहित कर्मश्री संस्था के सभी आयोजकों को विशाल तिरंगा यात्रा के आयोजन की बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा के सहभागियों के साथ सेल्फी ली, स्कूली बच्चों का अभिवादन स्वीकार कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में युवाओं का सैलाब उमड़ पड़ा और कोलार रोड तिरंगामय हो गया।

नशे से दूरी है जरूरी का पालन करें युवा- पूर्व प्रोटेम स्पीकर तथा विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि हम तिरंगे और वंदे मातरम् का विस्तार करते हुए अखंड भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रीय ध्वज, लोकतांत्रिक भावना और संविधान में दिए गए मूल्यों के प्रति समर्पित भाव रखने का आह्वान किया। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में नशे से दूरी है जरूरी अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की।

देश भक्ति के गीतों और भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान रहा संपूर्ण वातावरण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अखंड भारत के संकल्प के साथ ÷हर घर तिरंगा अभियान÷ के अंतर्गत निकाली गई इस विशाल तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में युवा बाइकर्स तिरंगे के साथ शामिल हुए। यात्रा मार्ग में अनेक स्थानों पर स्थानीयजन ने उत्साहपूर्वक पुष्प वर्षा कर, वंदेमातरम् और भारत माता के जयकारों के साथ तिरंगा लहराकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक और महिलाएं भी शामिल हुईं। यात्रा मार्ग पर स्कूलों के बच्चों और शिक्षकों ने तिरंगा लहराकर यात्रा का अभिवादन किया। स्कूली बच्चे भारत माता और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की वेशभूषा में उत्साह और उमंग का प्रकटीकरण कर रहे थे। संपूर्ण

मुख्यमंत्री ने 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर दीं प्रदेशवासियों को बधाई

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता की 80 वीं वर्षगांठ पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश को स्वतंत्र करवाने के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले अनेक सेनानियों और राष्ट्र प्रेमियों का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। स्वतंत्रता की वर्षगांठ पर ऐसे सभी बलिदानियों का स्मरण करते हुए राष्ट्र उन्हें आदरांजलि अर्पित कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सभी के लिए विशेष त्यौहार भी है, जो हमें आत्म-चिंतन, भविष्य की रूप-रेखा एवं प्रदेश के विकास में अपने योगदान को सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश को अनेक सौगातें मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि विकास का कारवां जन सहयोग से निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

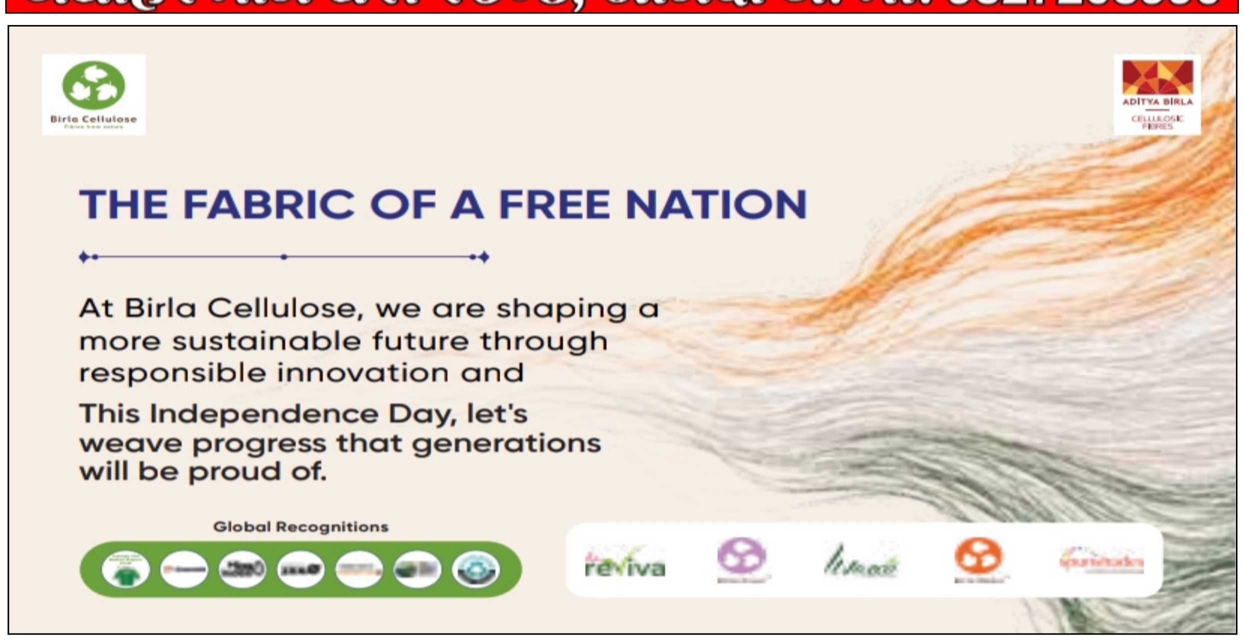

विभाजन की पीड़ा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारीः कैलाश विजयवर्गीय

विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस पर भाजपा ने निकाला मौन जुलूस, प्रदर्शनी का भी हुआ शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर इंदौर द्वारा 14 अगस्त को मौन जुलूस एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यालय पर विभाजन की विभीषिका पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाजजन शामिल हुए।

कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, विधायक महेंद्र हार्डिया, विधायक मधु वर्मा, विधायक गोलू शुक्ला, विधायक मालिनी गौड़ एवं पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का निर्णय लेकर उस दौर की पीड़ा को याद करने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। 14 अगस्त देश के इतिहास का वह काला दिन है, जब एक ओर आजादी का उत्सव मनाने की तैयारी थी, वहीं दूसरी ओर विभाजन का दर्द और लोगों की पीड़ा सामने थी। भारत माता ने उस समय जो दर्द सहा, उसे भुलाया नहीं जाना चाहिए।

विजयवर्गीय ने कहा कि विभाजन के दौरान लाखों लोगों ने विस्थापन और पीड़ा झेली। उन्होंने कहा कि उस दौर की घटनाओं और लोगों के संघर्ष की जानकारी आने वाली पीढ़ियों को देना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी की पुनरावृत्ति न हो।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि विभाजन की विभीषिका की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस त्रासदी को झेलने वाले परिवारों की स्मृतियों का संकलन किया जा रहा है। इंदौर में भी ऐसे कई परिवार हैं, जो विभाजन के दौर की अपनी स्मृतियां साझा कर सकते हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों तक उस इतिहास को पहुंचाया जा सके।

आरएसएस के वरिष्ठ नेता ईश्वर हिंदुजा ने विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेली गई पीड़ा का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय बड़े पैमाने पर हिंसा और अमानवीय अत्याचार हुए। उन्होंने कहा कि इसे केवल देश का विभाजन कहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह एक वीभत्स और अमानवीय त्रासदी थी, जिसकी पीड़ा को याद रखना जरूरी है।

वरिष्ठ समाजसेवी अजित सिंह नारंग ने कहा कि विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का उद्देश्य उन लाखों निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देना है, जिन्होंने उस त्रासदी में अपने प्राण गंवाए और विस्थापन का दर्द झेला। उन्होंने कहा कि विभाजन केवल भौगोलिक सीमाओं का बंटवारा नहीं था, बल्कि इसने समाज और मानवता को भी गहरी पीड़ा दी। उन्होंने कहा कि इस इतिहास से सीख लेकर कट्टरता, अलगाववाद और वैमनस्य से बचने का संदेश नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है।

संगोष्ठी से पूर्व अतिथियों ने भाजपा कार्यालय पर विभाजन की विभीषिका पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इसके बाद मौन जुलूस निकाला गया। जुलूस में महिलाएं काले वस्त्र पहनकर शामिल हुईं, जबकि कार्यकर्ता हाथों में विभाजन की त्रासदी और उसके विरोध से संबंधित तख्तियां लेकर चल रहे थे।

कार्यक्रम में अजय, प्रीतपाल सिंह भाटिया, सूरज केरो, प्रताप राजोरिया, अंजू माखीजा, मुद्रा शास्त्री, आलोक दुबे, दीपक जैन टीनू, सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले, राकेश शर्मा, वासुदेव पाटीदार, भूपेंद्र सिंह केसरी, भारत पारख, दीपेन्द्र सिंह सोलंकी, दीप्ति हाडा, नेहा शर्मा, सचिन बंसल, विशाल यादव, वरुण पाल, हेमराज वाडिया, गोविंद पंवार, दीपांश खण्डेलवाल, राजा कोठारी सहित विभिन्न मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देशभक्ति के रंग में सराबोर हुई घटिया विधानसभा, चारों मंडलों में निकली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज़ादी के अमृत पर्व के उपलक्ष्य व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी, घटिया विधानसभा द्वारा विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडलों में राष्ट्र गौरव तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया।

इस राष्ट्र गौरव तिरंगा यात्रा में मुख्यरुप से भाजपा उज्जैन ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, क्षेत्रीय विधायक डॉ सतीश मालवीय,उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, पूर्व जिलाध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुण्डला, पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम बंसल,चरणसिंह गुर्जर पण्डा जी मनासा,महिपाल सिंह उमठ,सुमेर सिंह कालूहेड़ा,शांतिलाल हलकारा,जसवंतसिंह उमठ,भगवान सिंह,ईश्वर सिंह,गजराजसिंह झाला,महेंद्रसिंह बना,राजपालसिंह झाला,हाकम सिंह,मंगेश वर्मा,दिलीप मोदी,नंदराम धाकड़, कैलाश विपट,ओम पटेल,यशोदा बैरागी व मंडल अध्यक्षगण अजय जोशी,राजकुमार जैन,लोकेन्द्र सिंह सोलंकी,विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि,कार्यकर्ता,जनमानस तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए।

भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा तिरंगा केवल राष्ट्र की पहचान नहीं, बल्कि हमारे गौरव, एकता, त्याग और संकल्प का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान आज एक राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन बन चुका है जिसने देश के कोने-कोने में राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी है। घटिया विधानसभा ने जिस अनुशासन और जोश से इस यात्रा को सफल बनाया है वह अनुकरणीय है।

विधायक डॉ. सतीश मालवीय ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा हमारे स्वाभिमान, बलिदान और एकता का प्रतीक है। राष्ट्र गौरव तिरंगा यात्रा हमें यह संकल्प दिलाती है कि हम देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव समर्पित रहेंगे। जनता के हाथों में लहराता तिरंगा यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। यह यात्रा नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम और वीर शहीदों के बलिदान से जोड़ती है। आइए हम सभी जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

जिला मीडिया प्रभारी गजेन्द्र परमार ने बताया घटिया विधानसभा के चारो मण्डल ताजपुर,उन्हेल,घटिया और पानबिहार में अलग -अलग समय पर निकली तिरंगा यात्रा के दौरान पुष्पवर्षा, बाइक रैली और देशभक्ति गीतों से माहौल देशमय हो गया। यात्रा के समापन पर सामूहिक राष्ट्रगान और शहीदों को नमन किया गया।

कलेक्टर डॉ शेर सिंह मीना आगर में ध्वजारोहण कर भव्य परेड की सलामी लेंगे

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर मालवा जिले में आज 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस समारोह परम्परांगत गरिमा उमंग और हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह जिला मुख्यालय आगर के परेड ग्राउंड पर आयोजित होगा। जहां प्रातः 9 बजे कलेक्टर डॉ शेर सिंह मीना ध्वजारोहण कर भव्य परेड की सलामी लेगें। जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं मे प्रातः 8 बजें तक ध्वजारोहण किया जाएगा। मुख्य समारोह में कलेक्टर डॉ शेर सिंह मीना प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण कर आयोजित भव्य परेड की सलामी लेगें। इस मौके पर प्रदेश की जनता के नाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन किया जावेगा। जिसका भोपाल से एलईडी के माध्यम से सीधा प्रसारण जिला स्तरीय समारोह में किया जावेगा। परेड में पुलिस बल पुरुष, जिला महिला पुलिस बल की प्लाटून, शौर्या दल एनसीसी,स्काउट गाईड दल की प्लाटून एवं जिला पुलिस के बैण्ड की टुकडी भी शामिल होगी। स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं व्दारा रंगारंग देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी जावेगी। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों, खिलाडियों प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया जावेगा। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों और शहीदों के परिजनों को भी शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

युवाओं के 'वंदे मातरम्' के गान से गूंज उठा इंदौर, 25 हजार से अधिक लोगों ने निकाली राष्ट्रपथ तिरंगा यात्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत इंदौर में गुरुवार को भव्य राष्ट्रपथ तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शाम 3 बजे शुरू हुई इस यात्रा में 25 हजार से अधिक युवा छात्र-छात्राओं, माताओं-बहनों और शहरवासियों ने तिरंगा हाथों में लेकर सहभागिता की। पूरे मार्ग पर देशभक्ति के नारों और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा।

राष्ट्रपथ तिरंगा यात्रा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से प्रारंभ होकर भंवरकुआं पहुंची। इसके बाद यात्रा राजीव गांधी चौराहे तक गई और पुनः भंवरकुआं पहुंचकर 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन के साथ इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हाथों में तिरंगा और देशभक्ति के नारों के साथ बड़ी संख्या में युवा पूरे अनुशासन के साथ यात्रा में शामिल हुए।

यात्रा में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, संस्थाओं और समाजजनों ने भी स्वस्फूर्त सहभागिता की। यात्रा मार्ग पर अनेक स्थानों पर स्वागत मंच बनाए गए, जहां समाजजनों ने युवाओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कई स्थानों पर यात्रियों के लिए अल्पाहार एवं अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं।

आयोजकों के अनुसार यह तिरंगा यात्रा किसी एक वर्ग या संगठन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इंदौर के युवाओं और नागरिकों की सामूहिक सहभागिता का प्रतीक बनी। इसमें विभिन्न जाति, वर्ग, धर्म और समाज के लोगों ने देशभक्ति की भावना के साथ भाग लिया। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिखाई दिया।

आयुक्त ने अटल पथ का किया निरीक्षण, मुख्यमंत्री के प्रस्तावित लोकार्पण समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार सुबह अन्नपूर्णा रोड से रिंग रोड, सुदामा नगर एवं विश्वकर्मा नगर के बीच को जोड़ने वाले नवनिर्मित अटल पथ का निरीक्षण किया। इस दौरान आगामी 16 अगस्त को मुख्यमंत्री की उपस्थिति में प्रस्तावित अटल पथ लोकार्पण, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापना स्थल तथा 55 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों के शुभारंभ समारोह की तैयारियों का जायजा लिया गया।

आयुक्त श्री सिंघल ने मौके पर समारोह से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि समारोह व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

इसके बाद आयुक्त ने गुटकेश्वर मंदिर से सदर बाजार तक निर्माणाधीन सड़क तथा जमजम चौराहा से स्टार चौराहा तक बन रही मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने के साथ ही बारिश के दौरान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुटकेश्वर मंदिर से सदर बाजार तक सड़क निर्माण को लेकर आयुक्त ने अधिकारियों से आगामी एक माह में किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की नियमित निगरानी करते हुए तय समय-सीमा में कार्य पूरा करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री पीएस कुशवाह, सहायक यंत्री श्री नरेश जायसवाल, उपयंत्री श्री पराग अग्रवाल सहित नगर निगम के अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत इंदौर पुलिस ने निकाली भव्य तिरंगा बाइक रैली, 500 से अधिक पुलिसकर्मी हुए शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शुक्रवार को भव्य तिरंगा बाइक रैली एवं मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। रैली में 500 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के साथ नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) श्री मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री नरेंद्र सिंह रावत, पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमन सिंह राठौर सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिसकर्मी, नगर सुरक्षा समिति के सदस्य और नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत तिरंगा मार्च पास्ट से हुई। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने मार्च पास्ट में शामिल होकर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने शहरवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर पूरे गर्व और सम्मान के साथ तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

इसके बाद पुलिस आयुक्त ने तिरंगा बाइक रैली को रवाना किया। रैली में अधिकारियों और थाना प्रभारियों सहित 500 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं नगर सुरक्षा समिति के सदस्य शामिल हुए। पुलिसकर्मियों ने अपने दोपहिया वाहनों पर तिरंगा लगाकर और हाथों में राष्ट्रध्वज थामकर उत्साह के साथ रैली में सहभागिता की।

तिरंगा बाइक रैली पुलिस कमिश्नर कार्यालय पलासिया से प्रारंभ होकर घंटाघर चौराहा, रीगल चौराहा, राजवाड़ा, रीगल, मधुमिलन चौराहा एवं व्हाइट चर्च होते हुए पुनः पलासिया पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान देशभक्ति के नारों से शहर का वातावरण राष्ट्रप्रेम से सराबोर नजर आया।

इस अवसर पर इंदौर पुलिस ने नागरिकों को संदेश दिया कि तिरंगा केवल देश का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की आन-बान-शान, राष्ट्रीय स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। पुलिस ने शहरवासियों से अपील की कि वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर पूरे सम्मान और गर्व के साथ तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' में सहभागी बनें।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर जोन-2 में 'ऑपरेशन सेफ जोन', होटल-ढाबों से लेकर संवेदनशील इलाकों तक सघन चेकिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर शहर में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा विशेष सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी के मार्गदर्शन में तथा पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमरेन्द्र सिंह के निर्देशन में जोन-02 क्षेत्र में 'ऑपरेशन सेफ जोन' के तहत सघन चेकिंग और निगरानी की जा रही है।

अभियान के दौरान जोन-02 के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की विशेष चेकिंग की जा रही है। यहां आने-जाने वाले लोगों और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी पुलिस की पैनी नजर है।

इसके अलावा हॉटस्पॉट और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं असामाजिक तत्वों की लगातार चेकिंग की जा रही है। प्रमुख मार्गों, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। संदिग्ध वाहनों और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस पेट्रोलिंग भी बढ़ाई गई है। थाना क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर पुलिस अधिकारी एवं जवान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

व्हीलचेयर पर दिव्यांगजनों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति के संदेश से गूंजा इंदौर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्था सार्थक द्वारा शुक्रवार को दिव्यांग भाई-बहनों के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। कोठारी मार्केट पार्किंग से शुरू हुई यह यात्रा गांधी हॉल पहुंचकर राष्ट्रगान एवं राष्ट्रभक्ति के भाव के साथ संपन्न हुई। व्हीलचेयर पर सवार बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों ने हाथों में तिरंगा लेकर देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा का नेतृत्व पद्मश्री सत्येंद्र सिंह लोहिया ने किया। यात्रा में विभिन्न खेलों से जुड़े पैरा खिलाड़ी, दिव्यांग उद्यमी और कला क्षेत्र में सक्रिय दिव्यांग साथी भी शामिल हुए। पूरे मार्ग में तिरंगा थामे दिव्यांगजनों का उत्साह लोगों के लिए आकर्षण और प्रेरणा का केंद्र रहा। इस दौरान पैरा टेबल टेनिस की नेशनल प्लेयर एवं ऑल इंडिया रैंकिंग में पांचवें स्थान पर रहीं हर्षिता शहरी तथा ऑल इंडिया रैंकिंग में दसवें स्थान पर रहे भविष्य जैन भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

संस्था सार्थक के अध्यक्ष दीपक जैन (टीनू) ने कहा कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता को सीमित नहीं करती। देश के पैरा खिलाड़ी, उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे दिव्यांगजन इसका उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य दिव्यांगजनों के प्रति केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि सम्मान, समान अवसर और समाज में समान भागीदारी का संदेश देना है।

उन्होंने कहा कि जब व्हीलचेयर पर बैठे दिव्यांग भाई-बहन हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्र के सम्मान में आगे बढ़ते हैं, तो यह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी दृश्य बन जाता है। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी दिव्यांगजनों, पैरा खिलाड़ियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गांधी हॉल पहुंचने के बाद तिरंगा यात्रा का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। संस्था सार्थक की इस पहल ने दिव्यांगजनों के आत्मसम्मान, उनकी क्षमताओं और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को सामने रखने के साथ ही समाज में समानता और सहभागिता का संदेश दिया।

तिरंगा हमारी शान, राष्ट्र की पहचानः प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विविध कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर में 'हर घर तिरंगा अभियानङ्क2026' एवं 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने' के उपलक्ष्य में 9 से 17 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' भारत माता के प्रति समर्पण, त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की भावना का उद्घोष है। उन्होंने विद्यार्थियों से तिरंगे का सम्मान करने, अपने नागरिक कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अलका जैन ने तिरंगे एवं 'वंदे मातरम्' के इतिहास, महत्व और राष्ट्रीय चेतना में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। अभियान के तहत तिरंगा गीत, तिरंगा कविता, तिरंगा रंगोली, तिरंगा प्रश्नोत्तरी, तिरंगा प्रदर्शनी और तिरंगा सजावट प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं ने परिसर में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति तथा तिरंगे के प्रति सम्मान का वातावरण बनाया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में डॉ. प्रगति भौकदनकर, डॉ. सुनीता मालवीय, डॉ. गीता चौधरी एवं डॉ. बिंदु परस्ते उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एस. एस. ठाकुर, डॉ. रेणु सिन्हा, डॉ. हरीश मिमरोट, डॉ. आरती वाजपेयी, डॉ. मनीषा मरकाम, डॉ. रेखा वर्मा, एनसीसी प्रभारी डॉ. भगवत राय, डॉ. बालू तीखे, एनएसएस प्रभारी डॉ. शांता चौहान, डॉ. अरुण आर्य, डॉ. ज्ञानेश्वर तीखे सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अलका जैन ने किया, जबकि आभार डॉ. मीनाक्षी सिंह ने व्यक्त किया।

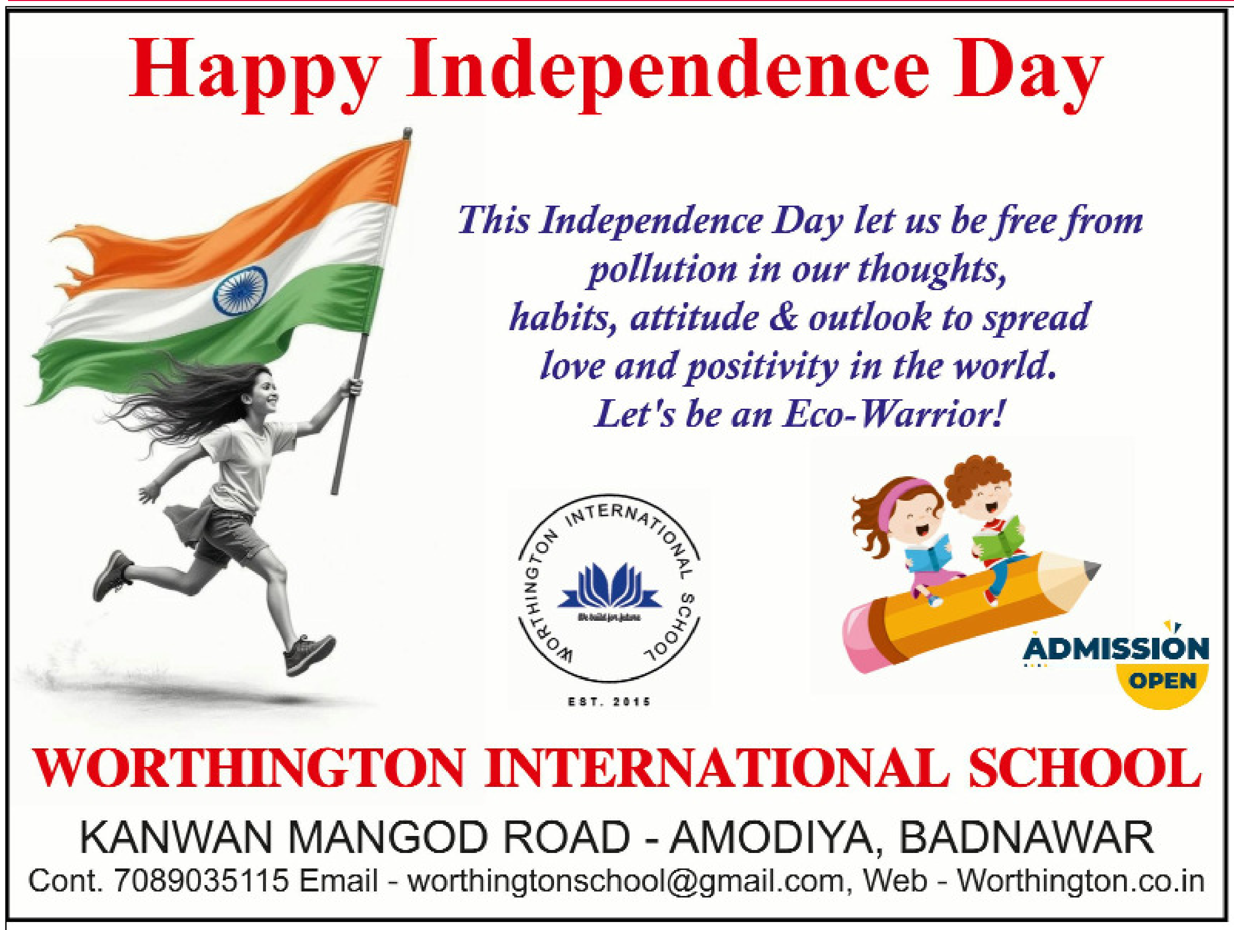
Happy Independence Day
This Independence Day let us be free from pollution in our thoughts, habits, attitude & outlook to spread love and positivity in the world. Let's be an Eco-Warrior!
WORTHINGTON INTERNATIONAL SCHOOL
EST. 2015
ADMISSION OPEN
WORTHINGTON INTERNATIONAL SCHOOL
KANWAN MANGOD ROAD - AMODIYA, BADNAWAR
Cont. 7089035115 Email - worthingtonschool@gmail.com, Web - Worthington.co.in

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मा. राजवर्धनसिंह दत्तीगॉव
पूर्व कैबिनेट मंत्री म.प्र. शासन
राजेश जैन
पूर्व सरपंच
ग्राम पंचायत दौत्र्या
बलराम चौहान
सरपंच
ग्राम पंचायत दौत्र्या
दशरथ मण्डलोई
सरपंच प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत दौत्र्या
बधाईकर्ता
राधेश्याम डावर
उप सरपंच प्रतिनिधि
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत दौत्र्या, ज.पं. बदनावर (धार)

आओ मिलकर करें
देश का मान,
बनाएं भारत को महान!
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ!
आइए, हम सब मिलकर उन वीर सपूतों को नमन करें, जिनके त्याग और बलिदान से हमें यह आज़ादी मिली है।
आओ संकल्प लें – एक सशक्त, समृद्ध, और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का।
जय हिन्द! वन्दे मातरम्!
सरपंच
श्रीमती हीराबाई बाबूलाल खराड़ी
सचिव
सुंदरलाल शर्मा
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत डेलची, जनपद पंचायत बदनावर, जिला धार (म.प्र.)

फाईन
ऑटो डील & फायनेंस
RTO (यातायात)
15TH AUGUST
स्वतंत्रता दिवस
जय हिन्द!
हमारे यहाँ पर सभी कम्पनीयों के सेकेण्ड हेण्ड टू व्हीलर वाहन उचित मुल्य पर खरीदे एवं बेंचे जाते है।
फायनेन्स सुविधा भी उपलब्ध है।
RTO यातायात संबंधित सभी कार्य किये जाते है।
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।
कोर्ट परिसर के पास, बड़ी चौपाटी, बदनावर
9575719100, 9981317009

आओ मिलकर करें देश का मान,
बनाऐं भारत को महान
स्वतंत्रता
दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
"साफ-सुथरा हो गाँव हमारा, रोशन हो नाम सारा।"
"पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ, पर्यावरण को सुंदर बनाओ।"
सरपंच
बाबुलाल कछावा
सचिव
प्रकाश पाटीदार
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत सांगवी, ज.पं. बदनावर, जिला धार

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
वस्त्रम
शर्ट, जिंस, टी-शर्ट, लोवर, केपरी, शार्ट्स
वालेट, वाच, बेल्ट कि विशाल श्रृंखला
श्री बैजनाथ महादेव मंदिर के पास
बस स्टेण्ड रोड, बदनावर, मो. 9993679864

15th अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
सरपंच
भीमाजी भूरिया
सचिव
मनोज बैरागी
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत किशनपुरा, ज.पं. बदनावर, जिला धार

15th अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
सरपंच
नितूबाई जगदीशचन्द्र भाभर
सचिव
उपेन्द्र सिंह सोलंकी
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत ढोलाना, ज.पं. बदनावर, जिला धार

सम्पादकीय

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

15 अगस्त भारत के राष्टीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्टनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है। लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ है 'स्व' के तंत्र की प्रतिष्ठा और उसका संपूर्ण ज्ञान

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सहजयोग की संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी के विचार स्वतंत्रता के उस गहरे और आध्यात्मिक अर्थ की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं, जो केवल बाहरी बंधनों से मुक्ति तक सीमित नहीं है। उनके अनुसार, वास्तविक स्वतंत्रता का संबंध मनुष्य के अपने भीतर स्थित 'स्व' को जानने और उसके तंत्र को समझने से है।

श्री माताजी निर्मला देवी जी ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी जी के साथ सक्रिय भूमिका निभाते हुए देश की स्वतंत्रता में अपना योगदान दिया। भारत और भारतीय संस्कृति उनके जीवन का सदैव अभिन्न हिस्सा रहे। वे भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानती थीं।

भारत के संदर्भ में श्री माताजी ने कहा था- अपना देश शांति प्रिय देश है। इस देश ने किसी भी देश पे अगाड़ी नहीं करी, किसी देश को लूटा नहीं, किसी भी देश की जमीन अपने हाथ नहीं ली। ये शांति कहां से आई? ...ये इस धरती की विशेषता है जिस धरती पर आप बैठे हैं उसी धरती की विशेषता है कि हम लोग शांति प्रिय लोग हैं, ये नियंत्रण हमारे ऊपर अपने आप आया हुआ है, स्वयं आया है तो अंदर की शांति प्रस्थापित होती है।

श्री माताजी भारतीय संस्कृति की महानता पर विशेष जोर देते हुए कहती थीं, भारतीय संस्कृति बहुत ऊँची है यही एक दिन संसार का मार्गदर्शन कर सकती है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ- श्री माताजी ने 'स्वतंत्रता' शब्द की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए बताया कि 'स्व' का अर्थ स्वयं का और 'तंत्र' का अर्थ मशीनरी है। इस प्रकार स्वतंत्रता का गहरा अर्थ है–अपने स्वयं के तंत्र को जानना और उसके प्रति जागरूक होना। उनके अनुसार, जब हम स्वतंत्रता की बात करते हैं, तो हमें यह समझना आवश्यक है कि यह केवल बाहरी स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अपने भीतर की शक्तियों, क्षमताओं और चेतना को पहचानने की अवस्था भी है। इस गहरे अर्थ को समझने के लिए व्यक्ति को सबसे पहले स्वयं को जानना आवश्यक है।

श्री माताजी ने 'स्वराज' की अवधारणा को भी आंतरिक स्वामित्व से जोड़ा। उनका संदेश था कि भारत भूमि पर जन्म लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर के स्वत्व को पहचानना चाहिए और इस महान भूमि का नागरिक होने पर गर्व करना चाहिए।

सहजयोग- आत्मज्ञान और आंतरिक स्वतंत्रता- श्री माताजी द्वारा स्थापित सहजयोग ध्यान पद्धति के माध्यम से कुंडलिनी जागरण की प्रक्रिया द्वारा भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के उन गूढ़ पहलुओं को विश्वभर के लोगों तक पहुँचाया गया है, जो मनुष्य को आत्मज्ञान और आंतरिक शांति की दिशा में ले जाते हैं।

सहजयोग का संदेश है कि स्वतंत्रता का वास्तविक अनुभव तब होता है जब मनुष्य अपने भीतर स्थित आत्मशक्ति को पहचानता है और अपने स्वयं के तंत्र को समझता है। आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर शांति, संतुलन और आत्म-जागरूकता की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

15 अगस्त भारत के राष्टीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्टनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है।

लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता, सहिष्णुता, अनुशासन, परस्पर सम्मान और राष्टहित सर्वोपरि हों।

-धनंजय राजौरा

हरियाणा में 2022 से 2026 तक नियुक्त नए कर्मचारियों का तबादला क्यों नहीं?

हरियाणा सरकार की ऑनलाइन तबादला नीति का मूल उद्देश्य तबादलों में पारदर्शिता, समान अवसर, निष्पक्षता और प्रशासनिक दक्षता सुनिश्चित करना है। ऑनलाइन व्यवस्था इसलिए लागू की गई ताकि मनमाने प्रशासनिक विवेक, पसंद-नापसंद और असमान व्यवहार की संभावना कम हो तथा पात्र कर्मचारियों को स्पष्ट नियमों के तहत तबादला प्रक्रिया में भाग लेने और अपनी पसंद प्रस्तुत करने का अवसर मिले। लेकिन किसी भी नीति की सफलता केवल नियम बनाने से नहीं, बल्कि उनके तार्किक, सुसंगत और निष्पक्ष क्रियान्वयन से तय होती है। इसी संदर्भ में 2022 से 2026 के बीच नियुक्त कर्मचारियों का प्रश्न गंभीर विचार की मांग करता है।

सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जब इस अवधि में नियुक्त सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन तबादला प्रक्रिया में भाग लेना पड़ रहा है, तो अन्य विभागों के समान अवधि में नियुक्त कर्मचारियों को इससे पीछे क्यों रखा जा रहा है? यदि शिक्षकों को नीति के तहत अनिवार्य भागीदारी के दायरे में लाया जा सकता है, तो समान अवधि में नियुक्त अन्य पात्र कर्मचारियों के लिए अलग व्यवस्था का स्पष्ट, वस्तुनिष्ठ और तर्कसंगत आधार भी होना चाहिए। यहां मांग किसी कर्मचारी को उसकी पसंद के स्थान पर तबादला देने की नहीं, बल्कि पात्र होने पर प्रक्रिया में भाग लेने, विकल्प देने और नियमों के अनुसार विचार किए जाने के समान अवसर की है।

इस विषय में 23 मई 2025 की कट-ऑफ तिथि, ÷नोशनल श्रेणी÷ और 2026 की मॉडल ऑनलाइन तबादला नीति में प्रयुक्त ÷प्रत्येक कैडर का पहला ऑनलाइन तबादला अभियान÷ जैसे प्रावधान महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इन प्रावधानों को समझने के लिए संबंधित कैडर का वास्तविक प्रशासनिक इतिहास देखना आवश्यक है। यदि किसी कैडर में 2026 में पहली बार ऑनलाइन तबादला अभियान हो रहा है, तो उसकी स्थिति उस कैडर से अलग हो सकती है जिसमें 2017 से ऑनलाइन तबादला अभियान होते रहे हैं। इसलिए एक ही कट-ऑफ को सभी कैडरों पर यांत्रिक रूप से लागू करने से पहले उनके वास्तविक नीतिगत इतिहास को देखना आवश्यक है।

समानता का प्रश्न केवल शिक्षकों और अन्य विभागों तक सीमित नहीं है। कुछ विभागों में ऑनलाइन तबादला नीति लागू होने और ऑनलाइन अभियान आयोजित किए जाने के बावजूद कर्मचारियों को ऑफलाइन स्टेशन आवंटित किए जाने की स्थिति भी गंभीर विचार की मांग करती है। हरियाणा के पशुपालन विभाग का उदाहरण इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। विभाग में 2020 से वीएलडीए कैडर के लिए ऑनलाइन तबादला नीति लागू है और इसके अंतर्गत दो ऑनलाइन तबादला अभियान भी हो चुके हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार, 2020 के बाद नियुक्त वीएलडीए कैडर के लगभग 50 प्रतिशत कर्मचारियों को ऑफलाइन स्टेशन आवंटित किए गए। यदि यह आंकड़ा विभागीय अभिलेखों से पुष्ट होता है, तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए।

-डॉ. विजय गर्ग

1947 भारत-पाकिस्तान का विभाजन और पीड़ा

इतिहास में स्वतंत्रता का सूर्य लेकर आई , लेकिन उसी सूर्य की रोशनी के पीछे विभाजन की एक ऐसी लंबी और भयावह छाया भी थी, जिसने लाखों मनुष्यों के जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया। यह कैसी विडंबना थी कि एक ओर सदियों की पराधीनता से मुक्ति का उल्लास था और दूसरी ओर अपने ही घर की चौखट, अपनी मिट्टी, अपने खेत, अपनी दुकान, अपनी पुश्तैनी संपत्ति और अपनी स्मृतियों से बिछुड़ने का असहनीय दर्द। स्वतंत्रता का उत्सव मनाने वाले देश के साथ-साथ लाखों लोग ऐसे भी थे, जिनके हाथों में तिरंगा नहीं, बल्कि अपने घर की चाबी थी–और उन्हें पता नहीं था कि उस चाबी से अब कभी अपना दरवाजा खुल पाएगा या नहीं।

विभाजन केवल भारत के भूगोल का विभाजन नहीं था; यह मनुष्यों के जीवन, रिश्तों और स्मृतियों का भी विभाजन था। सदियों से साथ-साथ रहने वाले लोगों के बीच अचानक एक सीमा खींच दी गई। जिन गांवों की मिट्टी में कई पीढ़ियों के पदचिह्न थे, जिन गलियों में बचपन बीता था, जिन बाजारों में पिता और दादा की दुकानें थीं, जिन खेतों में परिवार का पसीना मिला था–वे सब अचानक दूसरे देश का हिस्सा बन गए। जड़ से उखड़ना केवल घर छोड़ना नहीं होता; वह अपने अस्तित्व के उस हिस्से को पीछे छोड़ देना होता है, जिसमें मनुष्य की पहचान, इतिहास और आत्मीयता बसी होती है।

विभाजन की त्रासदी का सबसे भयावह पक्ष उसका व्यापक विस्थापन था। लाखों हिंदू, सिख और अन्य समुदायों के लोग पश्चिमी पंजाब, सिंध, उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों और बंगाल के विभाजित हिस्सों से भारत की ओर आए। दूसरी ओर लाखों मुसलमान भारत से पाकिस्तान की ओर चले गए। यह यात्रा किसी सुखद भविष्य की ओर सामान्य प्रवास नहीं थी। यह भय, असुरक्षा, हिंसा, अनिश्चितता और मृत्यु के साये में की गई यात्रा थी। रेलें चल रही थीं, लेकिन कई बार वे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय मृत्यु की भयावह खबर लेकर पहुंचती थीं। सड़कों पर पैदल चलते कारवां थे। किसी के सिर पर गठरी थी, किसी की गोद में बच्चा, किसी के हाथ में कुछ बर्तन, किसी के पास घर की चाबी और किसी के पास केवल अपनी स्मृतियां। पीछे छूटता हुआ घर बार-बार मुड़कर देखने को विवश करता था, लेकिन आगे बढ़ना मजबूरी थी।

सबसे बड़ा दर्द यह था कि लोग केवल मकान नहीं छोड़ रहे थे। वे अपनी जड़ और जमीन छोड़ रहे थे। वे खेत छोड़ रहे थे, कुएं छोड़ रहे थे, पुश्तैनी हवेलियां छोड़ रहे थे, दुकानें और कारोबार छोड़ रहे थे। वे वे गलियां छोड़ रहे थे जिनमें उनके बचपन की आवाजें थीं। वे पड़ोसी छोड़ रहे थे, जिनके साथ पीढ़ियों से सुख-दुख बांटे थे। किसी ने वर्षों की मेहनत से व्यापार खड़ा किया था, किसी ने अपनी जमीन को पीढ़ियों तक सींचा था, किसी ने अपने हाथों से घर बनाया था। लेकिन एक दिन इतिहास ने उनसे कहा–अब यह सब तुम्हारा नहीं रहा।

कल्पना कीजिए उस व्यक्ति की, जो अपने घर का दरवाजा आखिरी बार बंद कर रहा है। वह शायद दरवाजे को कुछ क्षण अधिक देखता है। दीवारों को छूता है। आंगन की मिट्टी को आंखों में भर लेना चाहता है। शायद उसकी जेब में उसी घर की चाबी है। लेकिन उसे मालूम है कि वह चाबी अब केवल एक स्मृति है। वह घर पीछे छूट गया है और उसके साथ उसके जीवन का एक बड़ा हिस्सा भी।

विस्थापन ने लोगों से उनकी संपत्ति छीनी, लेकिन उनसे उनकी कर्मठता नहीं छीन सका। शरणार्थी शिविरों में जीवन कठिन था। भविष्य अनिश्चित था। पूंजी नहीं थी, व्यवसाय नहीं था, जमीन नहीं थी। फिर भी मनुष्य ने हार नहीं मानी। जिनके पास कभी बड़े कारोबार थे, उन्होंने छोटे से व्यापार से शुरुआत की। किसी ने दुकान लगाई, किसी ने ठेला लगाया, किसी ने मजदूरी की। किसी ने नई जमीन पर खेती शुरू की, तो किसी ने अपने बच्चों को पढ़ाकर भविष्य की नई राह बनाई।यह पुनर्निर्माण केवल आर्थिक नहीं था, यह मनुष्य की अदम्य जिजीविषा का पुनर्जन्म था। उजड़े हुए लोगों ने नए शहर बसाने में योगदान दिया, नए बाजार खड़े किए, उद्योग स्थापित किए, शिक्षा और सामाजिक संस्थाओं को मजबूत किया। उन्होंने अपने अतीत को भुलाया नहीं, लेकिन उसके दुख को अपने भविष्य की राह में बाधा भी नहीं बनने दिया।

यह कहानी केवल भारत आने वालों की नहीं है। पाकिस्तान की ओर जाने वाले मुसलमान परिवारों की पीड़ा भी उतनी ही गहरी थी। उन्होंने भी अपने घर छोड़े, खेत छोड़े, कारोबार छोड़े, पड़ोस छोड़ा और स्मृतियों से भरी अपनी दुनिया पीछे छोड़ दी। विभाजन ने दोनों ओर मनुष्यों को उजाड़ा था। आंसुओं का कोई धर्म नहीं होता, बिछड़ने की कोई जाति नहीं होती और विस्थापन का कोई मजहब नहीं होता।

विभाजन हमें इतिहास का एक कठोर सत्य भी बताता है–राजनीतिक निर्णयों की सबसे बड़ी कीमत अक्सर सामान्य मनुष्य चुकाता है। नक्शे मेज पर बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी रेखाएं जब जमीन पर उतरती हैं तो किसी का घर, किसी का खेत और किसी की पूरी जिंदगी उनके बीच आ जाती है। नेताओं के लिए सीमा एक राजनीतिक आवश्यकता हो सकती है, लेकिन आम आदमी के लिए वह उसकी जन्मभूमि और कर्मभूमि के बीच खिंची हुई एक असहज दीवार बन जाती है।

आज स्वतंत्रता दिवस पर जब हम तिरंगा फहराते हैं, राष्टगान गाते हैं और स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करते हैं, तब 1947 के उन विस्थापितों को भी याद करना हमारा नैतिक दायित्व है, जिन्होंने स्वतंत्रता की कीमत अपने घरों, संपत्तियों, व्यवसायों और प्रियजनों की स्मृतियों से चुकाई। स्वतंत्रता केवल राजनीतिक आजादी का नाम नहीं; वह उन लोगों के संघर्ष की भी विरासत है जिन्होंने टूटकर भी स्वयं को फिर से जोड़ा।

हमें उन लाखों अनाम लोगों को नमन करना चाहिए जिन्होंने खंडहरों से घर बनाए, खाली हाथों से कारोबार खड़े किए और आंसुओं के बीच अपने बच्चों के लिए भविष्य गढ़ा। उन्होंने सिद्ध किया कि मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति केवल जमीन-जायदाद नहीं, बल्कि श्रम, साहस, धैर्य और पुनर्निर्माण की अदम्य इच्छा है।

1947 का विभाजन इतिहास की किताब की लेखक की एक कपोल कल्पना या अध्याय नहीं है। वह लाखों परिवारों की स्मृतियों में आज भी जीवित एक पीड़ा है। किसी बूढ़े की आंख में अपने पुश्तैनी गांव की तस्वीर बनकर, किसी पुराने संदूक में रखी घर की चाबी बनकर, किसी पीले पड़ चुके पत्र में लिखे पते बनकर और किसी अगली पीढ़ी को सुनाई गई कहानी बनकर।

इसलिए 15 अगस्त का उत्सव मनाते हुए हमें स्वतंत्रता के उजाले के साथ विभाजन के उस अंधेरे को भी याद रखना चाहिए। क्योंकि इतिहास को याद करने का उद्देश्य घाव कुरेदना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को यह समझाना है कि नफरत की आग में सबसे पहले मनुष्य का घर जलता है।

देश की सीमाएं कागज पर खींची जा सकती हैं, लेकिन मनुष्यता की सीमाएं नहीं खींची जानी चाहिए। 1947 के विस्थापितों की राख से उठी नई जिंदगी हमें यही संदेश देती है कि घर छिन सकता है, संपत्ति छिन सकती है, कारोबार छिन सकता है, जमीन छिन सकती है लेकिन यदि मनुष्य के भीतर आशा, श्रम और मनुष्यता जीवित है, तो वह उजड़ी हुई दुनिया में भी एक नया घर बना सकता है।

-संजीव ठाकुर

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून

संसदीय मर्यादाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्टहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्टीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्टहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें?

-ललित गर्ग

भानपुरा पुलिस ने खोला अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का राज, पेट्रोल पंप लूट की साजिश संग मंदिर सहित 3 चोरियों का खुलासा

63 हजार का माल बरामद, राजस्थान बॉर्डर पर बढ़ाई जाएगी नाकाबंदी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेट्रोल पंप लूट की योजना बनाते हुए गिरफ्तार हुए 3 शातिर बदमाशों से पूछताछ में भानपुरा पुलिस ने अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। आरोपियों ने कबूला कि पिछले 2 महीने में उन्होंने भानपुरा क्षेत्र में 3 बड़ी वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों की निशादेही पर मंदिर की दानपेटी, चांदी के गहने और बाइक सहित 63,080 का मश्रुका बरामद कर लिया है। भानपुरा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले इस गिरोह पर ब्रेक लग गया है।

भानपुरा थाना प्रभारी विनय बुंदेला ने बताया कि दिनांक 12.08.2026 की रात ग्राम करमदीखेड़ा स्थित इंडियन पेट्रोल पंप के पास पुलिस ने मुखबिर सूचना पर दबिश दी थी। यहां लूट की योजना बनाते राजस्थान के 3 कुख्यात बदमाशों को हथियारों सहित गिरफ्तार किया गया था। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना के निर्देश पर आरोपियों से लगातार पूछताछ की गई। सख्ती के बाद आरोपियों ने भानपुरा थाना क्षेत्र में हुई 3 चोरियों की बात स्वीकार की। इन चोरियों के संबंध में थाना भानपुरा में पहले से 3 प्रकरण दर्ज थे, जिसमें 26.06.2026 को बड़ा महादेव मंदिर से दानपेटी चोरी, 26.07.2026 को घर से चांदी के गहने चोरी, 12.08.2026 को बाइक चोरी हुई थी। आरोपियों की निशादेही पर पुलिस ने 3 अलग-अलग स्थानों से माल बरामद किया, इसमें बड़ा महादेव मंदिर प्रकरण दानपेटी मय नगदी 3080, गृह चोरी प्रकरण में चांदी की 1 जोड़ी सट 120 ग्राम, 4 चूड़ियां 55 ग्राम, 1 जोड़ी पायजेब व 4 चांदी के सिक्के कुल अनुमानित कीमत 20,000 रुपये, तथा बाइक चोरी प्रकरण में 1 सीडी डीलक्स 100 मोटर सायकल, कीमत 40 हजार कुल बरामद मश्रुका की अनुमानित कीमत 63,080 है। गिरफ्तार तीनों आरोपी कल्लू पिता श्यामलाल कंजर, 36 वर्ष, निवासी रेनखेड़ा, थाना रावतभाटा, जिला चित्तौड़गढ़, बादल पिता इंदरमल कंजर, 25 वर्ष, निवासी धांगनमऊ कलां, थाना भैंसरोडगढ़, जिला चित्तौड़गढ़, दिनेश पिता चतुर्भुज बागरी, 27 वर्ष, निवासी देवली कला, थाना चेचट, हाल मुकाम सालेरा खुर्द, जिला कोटा है, जो पेशेवर चोर हैं। आरोपियों ने बताया कि वे रात में सुनसान इलाकों को निशाना बनाते थे। चोरी का माल राजस्थान में बेच देते थे। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना ने बताया कि आरोपियों से और पूछताछ की जा रही है। इनके अन्य साथियों और फेंसिंग करने वालों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। राजस्थान बॉर्डर पर पुलिस की नाकाबंदी बढ़ाई जाएगी ताकि इस तरह के गिरोहों पर लगाम लग सके। इस फॉलोअप कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि विनय बुंदेला, उनि बापू सिंह बामनिया, उनि ओंकार सिंह ठाकुर, सउनि धन्नालाल योगी, प्रधान आरक्षक रामचन्द्र, साइबर सेल के प्रआर आशीष बैरागी, प्रआर मुजफ्फर, आरक्षक मनीष बघेल, आरक्षक कमल प्रताप सिंह एवं आरक्षक प्रतीक तंवर की विशेष भूमिका रही। एसपी ने टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

डेढ़ घंटे झमाझम बरसे मेघ, मौसम में घुली ठंडक, अब एक सप्ताह नहीं बारिश के आसार, बढ़ेगा तापमान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो दिन रिमझीम बरसने के बाद शुक्रवार को एक बार फिर मेघ शहर पर मेहरबान हुए। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे तक झमाझम वर्षा हुई जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस दौरान करीब सवा इंच वर्षा दर्ज की गई। मोसम विभाग की माने तो आगामी दिनों में अब बारिश की संभावना कम ही है और सिस्टम कमजोर रहेगा।

शुक्रवार सुबह से ही आसमान पर छा रहे काले बादल रह-रहकर बारिश की संभावना जता रहे थे और दिन में ही अंधेरा छाने लगा था। दोपहर करीब 3.30 बजे रिमझीम वर्षा शुरू हुई जो झमाझम में बदल गई और करीब डेढ़ घंटे तक नगर में तेज बारिश होती रही। इस दौरान 30 एमएम करीब सवा इंच वर्षा दर्ज की गई। जिससे मौसम में भी ठंडक घुल गई। इस दिन अधिकतम तापमान 26.6 व न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।

कमजोर हो रहा मानसून, कम होगी वर्षा- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि मानसून का सिस्टम अब कमजोर हो रहा है। शनिवार को कुछ स्थानों पर हल्की या रिमझिम बारिश हो सकती है, लेकिन इसके बाद मौसम साफ होने की संभावना है। अगले 10 दिनों तक जिले में कोई खास बारिश होने की उम्मीद नहीं है। क्योंकि इसके बाद सिस्टम तो बनेगा लेकिन उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा सकती। अब तक बना सिस्टम काफी सक्रिय था जिससे बारिश हो रही थी। अब मौसम साफ होने की संभावना ज्यादा है।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने प्रशासन को गांव-गांव तक पहुंचाने पर दिया जोर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हिमांशु चंद्रा के करीब दो वर्ष के कार्यकाल में प्रशासनिक कसावट, जनसुनवाई, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच और शासन की योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर देखने को मिला है। 13 अगस्त 2024 को नीमच कलेक्टर का दायित्व संभालने के बाद से चंद्रा ने विभिन्न विभागों की लगातार समीक्षा के साथ मैदानी स्तर पर प्रशासन की सक्रियता बढ़ाने का प्रयास किया।

कलेक्टर चंद्रा के कार्यकाल में जनसुनवाई को आमजन की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम बनाया गया। जुलाई 2026 की एक जनसुनवाई में उन्होंने 148 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रशासन की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रशासन गांव की ओर तथा प्रशासन आपके द्वार जैसे अभियानों के माध्यम से शिविर और रात्रि चौपाल आयोजित की गईं। दिसंबर 2025 में विशेष राजस्व शिविरों के पहले दिन ही 357 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 46 का निराकरण किया गया।

राजस्व प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लंबित प्रकरणों की समीक्षा तथा शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई भी कार्यकाल का एक प्रमुख हिस्सा रही।

उज्जैन-बदनावर फोरलेन बना मौत का हाईवे

सांकेतिक चिह्नों की अनदेखी से जा रही मासूम जानें, क्या एनएचएआई पर दर्ज होगा मुकदमे का पर्चा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्जैन-बदनावर फोरलेन मार्ग इन दिनों विकास का मार्ग कम और दुर्घटनाओं का 'ब्लैक स्पॉट' अधिक साबित हो रहा है। पिछले दिनों इस मार्ग पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में 6 मासूम युवकों की दर्दनाक मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है–इससे पूर्व भी कई लोग इस मार्ग पर असमय काल के आगोश में समा चुके हैं। यहाँ तक कि निर्माण कार्य के दौरान भी भुवानीखेड़ा के एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

लगातार हो रही इन मौतों के पीछे सबसे बड़ा कारण मार्ग पर सांकेतिक चिह्नों, डाइवर्जन बोर्ड, रिफ्लेक्टर और ब्लिंकर लाइट्स का न होना माना जा रहा है। ऐसे में अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इन मौतों की जिम्मेदारी किसकी है क्या राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और निर्माण एजेंसी की इस घोर लापरवाही को आपराधिक श्रेणी में मानकर उन पर कानूनी मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए

मोटर वाहन अधिनियम के तहत भारतीय कानून के तहत सड़कों का निर्माण और रखरखाव करने वाली एजेंसियों की यह वैधानिक जिम्मेदारी है कि वे यात्रियों की सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम करें। धारा 198 में यह कानून स्पष्ट रूप से प्रावधान करता है कि यदि सड़क के डिजाइन, निर्माण या रखरखाव में मानकों की अनदेखी के कारण कोई दुर्घटना या मृत्यु होती है, तो संबंधित अथॉरिटी या ठेकेदार कंपनी पर 1,00,000 तक का जुर्माना और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निर्माण कार्य के दौरान या चालू मार्ग पर स्पष्ट डाइवर्जन, स्पीड लिमिट, खतरनाक मोड़ और रात में चमकने वाले रिफ्लेक्टर लगाना कानूनी रूप से अनिवार्य है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर लोगों की जान जोखिम में डालना केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि अपराध की श्रेणी में आता है। यदि यह साबित होता है कि बार-बार हादसों की चेतावनियों और पूर्व में हुई मौतों के बावजूद एनएचएआई या ठेकेदार कंपनी ने सांकेतिक चिह्न नहीं लगाए, तो उन पर लापरवाही से हुई मौत का मामला बनता है। पीड़ित परिवार एवं क्षेत्रीय नागरिक इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर सकते हैं। इसके तहत संबंधित अधिकारियों पर आपराधिक मामला दर्ज करने के साथ-साथ मृतकों के परिजनों के लिए भारी मुआवजे की मांग की जा सकती है।

फोरलेन निर्माण की शुरुआत से ही सुरक्षा मानकों को ताक पर रखा गया। भुवानीखेड़ा के युवक की जान जाने के बाद भी जिम्मेदार एजेंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। नतीजा यह हुआ कि बिना सांकेतिक चिह्नों और अधूरे सुरक्षा इंतजामों के कारण कई घरो के चिराग बुझ गए। रात के अंधेरे में वाहन चालकों को अचानक सामने आने वाले मोड़ या डाइवर्जन का पता ही नहीं चलता, जिससे गाड़ियां अनियंत्रित होकर हादसों का शिकार हो जाती हैं।

वाहन रैली से दिया विधिक जागरूकता का संदेश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नगर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उल्लास एक अभिनव प्रयोग के तहत तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। रैली को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी ने जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में न्यायाधीश, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, अधिवक्ता, स्टाफ, पैरालीगल वालंटियर्स और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी शामिल हुए। तिरंगे से सजी बाइकें शहर की नई सड़क, आजाद चौक, किलारोड, धानमंडी, महुपुरा, धोबी चौराहा, टंकी चौराहा और ट्राफिक पाइंट से होते हुए जिला न्यायालय परिसर में समाप्त हुईं। इस दौरान देशभक्ति और विधिक जागरूकता का संदेश दिया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, पीड़ित सहायता और उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाना है। रैली ने ष्तिरंगे का सम्मान, कानून का ज्ञान और हर व्यक्ति को न्यायष् का संदेश जन-जन तक पहुंचाया है। रैली के दौरान बारिश शुरू हो गई, लेकिन प्रतिभागियों का उत्साह बना रहा। अधिवक्ताओं और अन्य लोगों ने बारिश के बीच भी हाथों में तिरंगा थामे रखा और ष्भारत माता की जयष् के नारे लगाते हुए रैली जारी रखी।

रातभर बदमाशों की घेराबंदी: कॉम्बिंग गश्त के दौरान 130 स्थायी व गिरफ्तारी वारंट तामील

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के कुशल निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती हेमलता अग्रवाल के मार्गदर्शन में दिनांक 13/14 अगस्त 2026 की दरमियानी रात जिला नीमच के समस्त थाना क्षेत्रों में एक विशेष कॉम्बिंग गश्त आयोजन किया गया।

इस वृहद अभियान के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों एवं भारी पुलिस बल द्वारा पूरे जिले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़, आदतन अपराधियों/गुंडा-बदमाशों की चेकिंग, होटल/लॉज व ढाबों की औचक चेकिंग तथा महिला संबंधी अपराधों के आदतन अपराधियों की सघन चेकिंग की गई।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान की गई प्रमुख कार्रवाइयाँ:- सघन वाहन चेकिंग व समन शुल्क-अभियान के दौरान जिले में 12 चिन्हित स्थानों पर संयुक्त चेकिंग पॉइंट लगाए गए। इस दौरान 250 से अधिक वाहनों की जांच की गई, जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 61 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर ?26700/- का समन शुल्क वसूला गया। साथ ही, अत्यधिक शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 130 वारंट तामील कराए गए। इनमें 39 स्थायी वारंट तथा 91 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। वारंटों में मुख्य रूप से मादक पदार्थ तस्करी का 01, शरीर संबंधी अपराधों के 52 तथा संपत्ति संबंधी (चोरी/लूटेरे) अपराधों के 15 वारंट शामिल हैं। अपराधियों की निगरानी व जिला बदर चेकिंग– पुलिस टीमों द्वारा रात्रि में कुल 116 सक्रिय निगरानी बदमाशों/गुंडों तथा 05 जिला बदर चल रहे अपराधियों की औचक चेकिंग की गई। उनके वर्तमान निवास, उपस्थिति तथा आजीविका के स्त्रोतों के संबंध में पुख्ता जानकारी एकत्रित की गई।

स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्टर करेंगी ध्वजारोहण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 पर नगर के स्टेडियम प्रांगण में होने वाले मुख्य समारोह में कलेक्टर ऋजु बाफना मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगी। जिला मुख्यालय पर स्थानीय स्टेडियम ग्राउण्ड पर प्रातः 9 बजे से मुख्य समारोह प्रारंभ होगा।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 8.53 बजे मुख्य अतिथि का परेड स्थल पर आगमन से होगी। प्रातः 8.55 बजे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का गान होगा। प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण एवं सलामी और परेड निरीक्षण एवं मार्चपास्ट होगा। प्रातः 9.30 बजे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का लाईव प्रसारण दिखाया जायेगा। प्रातः 10 बजे मुख्य अतिथि द्वारा बधाई संदेश दिया जायेगा। प्रातः 10.08 बजे स्वतंत्रता संग्राम/लोकतंत्र सेनानी का सम्मान किया जायेगा। प्रातः 10.18 बजे सामूहिक योग (पीटी), प्रातः 10.45 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मलखंब का प्रदर्शन होगा। प्रातः 11.25 बजे पुरस्कारों का वितरण तथा 11.35 बजे राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

नाबालिग से किया दुष्कर्म, बहन के जागने पर भागा आरोपी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी छगनलाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार पीड़िता अपनी मां, दो बहनों और भाई के साथ करीब सात साल से अपने मामा के घर रह रही है। वह मजदूरी में अपनी मां का सहयोग करती है। उसके साथ मजदूरी करने वाला युवक उस पर बुरी निगाह रख रहा था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 11 अगस्त को उसकी किसी कारण से चांदन गांव गई थी। 12 अगस्त की रात वह अपनी बहन के साथ घर के पास बनी टापरी में सो रही थी। रात करीब 12 बजे छगनलाल वहां पहुंचा और धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के दौरान उसकी बहन की नींद खुल गई। बहन के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया। घटना के बाद पीड़िता ने अपने नाना और मामा को इसकी जानकारी दी। अगले दिन पीड़िता अपनी बहन, मौसी और मामा के साथ कोतवाली थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आगामी कार्रवाई की जा रही है।

पंचायत सचिव को दिया कारण बताओ नोटिस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ मनीषा वास्कले ने जनपद पंचायत मो. बड़ोदिया की ग्राम पंचायत जसवाड़ा के सचिव ओमप्रकाश पाटीदार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया हैं। ग्राम पंचायत सचिव ओमप्रकाश पाटीदार द्वारा मृतक की समग्र आईडी एसपीआर पोर्टल पर दुर्घटना मृत्यु के स्थान पर सामान्य मृत्यु रिपोर्ट कर दिया गया जो कि कार्य के प्रति गंभीर लापरवाही हैं। इससे संबंधित मृतक के परिवाजन को शासन की हितग्राही मूलक योजना अनुग्रह सहायता राशि के लाभ से वंचित होना पड़ा।

उल्टा तिरंगा लहराने के मामले में दो नामजद सहित तीन पर केस, किसान नेता जोकचन्द की मांग के बाद पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद मल्हारगढ़ द्वारा 13 अगस्त को आयोजित हर घर तिरंगा यात्रा के दौरान कथित रूप से राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा लहराने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नामजद व्यक्तियों सहित एक अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मामले में भाजपा नेता योगेश कछावा निवासी मल्हारगढ़, राजेश पाटीदार निवासी नारायणगढ़ तथा एक अज्ञात व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार 13 अगस्त को नगर परिषद मल्हारगढ़ की ओर से हर घर तिरंगा यात्रा/रैली का आयोजन किया गया था।

बदनावर की माटी के अमर नायक: स्वतंत्रता संग्राम सेनानी फुलजी बा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 15 अगस्त का दिन हर भारतीय के लिए गर्व और स्वाभिमान का पर्व है। जब देश स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहा है, ऐसे में बदनावर की माटी अपने उस महान सपूत को नमन करती है, जिसने विदेशी हुकूमत की यातनाएँ हंसते-हंसते सही और आज़ाद भारत में जन-सेवा की नई मिसाल पेश की। हम बात कर रहे हैं बदनावर के प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री चाँदमल जी जैन, जिन्हें क्षेत्र की जनता आदर और स्नेह से 'फुलजी बा' के नाम से पुकारती है। अपने सर्वोदय और गांधीवादी विचारों के कारण उन्हें ÷मालवा के गांधी÷ के रूप में ख्याति मिली।

21 नवंबर 1921 को ग्राम तिलगारा (बदनावर) में जन्मे स्व.श्री चाँदमल जी जैन के पिता श्री चंपालाल जी भड़कतिया तथा माता श्रीमती धापू बाई थीं। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलाबबाई थीं। सन 1942 में महात्मा गांधी के करो या मरो के आह्वान पर मामा बालेश्वर दयाल एवं देवी सिंह सोलंकी के नेतृत्व में धार राज्य प्रजा मण्डल के तत्वावधान में उन्होंने अंग्रेज़ सरकार और धार राज्य के खिलाफ जमकर संघर्ष किया। प्रभातफेरी, भूख हड़ताल, शराब दुकान व न्यायालयों पर धरना आंदोलनों में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई। आंदोलन के दौरान अंग्रेज़ सिपाहियों और कारिंदों ने उन पर अमानवीय यातनाएँ ढाईं। उन्हें नालदार जूतों से रौंदा गया और प्रताड़ित किया गया, लेकिन उनका हौसला नहीं डगमगाया। फुलजी बा ने आजीवन विदेशी वस्त्रों का त्याग कर चरखे से बने खादी के वस्त्र पहनना, ताजीवन धोती, कुर्ता और गांधी टोपी ही उनकी पहचान बनी।

फुलजी बा केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के समर्थक नहीं थे, बल्कि सामाजिक समानता के भी ध्वजवाहक थे। उन्होंने नगर सफाई और हरिजनों-दलितों के साथ सहभोज किया। उस दौर में इस क्रांतिकारी कदम के कारण उन्हें समाज द्वारा निष्कासित तक कर दिया गया था, लेकिन वे अपने सिद्धांतों से पीछे नहीं हटे। धार राज्य प्रजा मण्डल के तत्कालीन अध्यक्ष कालूराम विरूलकर एवं लक्ष्मण सिंह खादीवाला ने 17 जुलाई 1948 को उन्हें स्वतंत्रता सेनानी प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया था।

आज़ादी के बाद सत्ता की दौड़ से दूर रहकर उन्होंने जन-सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी निजी भूमि शासकीय प्राथमिक कन्या शाला बदनावर को दान कर दी। वही शासकीय नन्दराम चौपड़ा हायर सेकंडरी विद्यालय की स्थापना व भवन निर्माण में उनका विशेष योगदान रहा। इसके साथ ही उन्होंने श्री अंजनाबाई बाल मंदिर की स्थापना की और जीवन पर्यंत उसके प्रबंधक रहे।

अपने जीवनकाल में उन्होंने पाँच हजार से अधिक गायों को बचाने के लिए कोर्ट-कचहरी के बदनावर, धार व हाईकोर्ट इंदौर तक कानूनी लड़ाई लड़ी और स्टे आदेश प्राप्त कर गौ-वंश की रक्षा की। वे श्री लक्ष्मी गौ-शाला के आजीवन ट्रस्टी रहे। धार जिला नशाबंदी समिति आंदोलन और हस्ताक्षर अभियान चलाकर उन्होंने बदनावर में शराब दुकान का ठेका निरस्त करवाया। कम बारिश के कारण जब बदनावर में जल संकट गहराया तब उन्होंने अपने निजी कुएँ से पूरे शहर की लगभग 60 प्रतिशत आबादी की प्यास बुझाई। वे नगर पालिका व कृषि उपज मंडी बदनावर के मनोनीत सदस्य रहे।उन्होंने जीवन में कभी चुनाव नहीं लड़ा। अपने दीर्घायु जीवन में 63 वर्षों तक निरंतर रात्रि चौविहार / पच्चक्खान का नियम निभाया। 19 दिसंबर 2017 को परलोक गमन के बाद मरणोपरांत उनका नेत्र दान व रक्तदान किया गया।

नागदा में संभवतः अब तीसरे दौर की चर्चा से बढ़ सकती है उत्सुकता

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में इन दिनों एक चर्चा धीरे-धीरे लोगों के बीच सुनाई दे रही है। एक-दो दौर की चर्चाओं के बाद अब संभावित रूप से तीसरे दौर को लेकर भी बातचीत होने लगी है। हालांकि इस संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी या पुष्टि सामने नहीं आई है, लेकिन चर्चा ने लोगों के बीच उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है।

शहर में समय-समय पर अलग-अलग विषयों को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। इसी क्रम में इन दिनों तीसरे दौर को लेकर भी शहर के विभिन्न हिस्सों में सामान्य बातचीत सुनने को मिल रही है। लोग अपने-अपने स्तर पर संभावनाओं को लेकर चर्चा कर रहे हैं और यह जानने में रुचि दिखा रहे हैं कि आने वाले दिनों में इस विषय को लेकर कोई नई स्थिति सामने आती है या नहीं।

पहले दौर की चर्चाओं के बाद जब दूसरे दौर को लेकर भी बातें सामने आई तो लोगों का ध्यान इस ओर गया। अब तीसरे दौर की संभावित चर्चा ने इस जिज्ञासा को और बढ़ा दिया है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि तीसरे दौर को लेकर चल रही बातें किसी ठोस प्रक्रिया का हिस्सा हैं या केवल आपसी चर्चाओं तक सीमित हैं।

शहर के अलग-अलग स्थानों पर इस विषय को लेकर लोग अपने-अपने अंदाज में संभावनाएं तलाशते नजर आ रहे हैं। कोई इसे सामान्य बातचीत का हिस्सा मान रहा है तो कोई आने वाले दिनों में स्थिति स्पष्ट होने की संभावना जता रहा है। फिलहाल किसी भी संभावना को लेकर निश्चित रूप से कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

बाजार और आम बातचीत में भी इस विषय को लेकर उत्सुकता दिखाई दे रही है। खास बात यह है कि चर्चा में किसी स्पष्ट निष्कर्ष की बजाय संभावनाओं की बातें अधिक हो रही हैं। इसी वजह से लोगों की दिलचस्पी बनी हुई है और कई लोग आने वाले दिनों में किसी नई जानकारी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं।

तीसरे दौर की संभावित चर्चा को लेकर एक और खास बात यह है कि अभी तक इससे जुड़ी कोई अधिकृत घोषणा या सार्वजनिक जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में चर्चाओं को लेकर अलग-अलग अनुमान लगाए जाना स्वाभाविक है, लेकिन वास्तविक स्थिति क्या है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

कृषि उपज मण्डी समिति महिदपुर
जिला उज्जैन

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ

15 अगस्त 2026 80वाँ स्वतन्त्रता दिवस के पावन अवसर पर क्षैत्र के कृषको, व्यापारियों, कृत्यकारियो एवं समस्त देश वासियों को कृषि उपज मण्डी समिति महिदपुर की और से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य मे दिनांक 14 अगस्त 2026 को अजय हिंगे अनुविभागीय अधिकारी/भारसाधक अधिकारी एवं प्रीतमसिंह चौधरी मण्डी सचिव द्वारा वृक्षारोपण किया जाकार समस्त किसान भाईयो से अपील है कि अपनी कृषि उपज साफ कर मण्डी प्रांगण मे ही विक्रय कर उचित भाव, सही तौल एवं नगद भुगतान प्राप्त करे।

(प्रीतमसिंह चौधरी) सचिव
(अजय हिंगे) भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति महिदपुर जिला उज्जैन म.प्र.

15th अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
सरपंच देवेन्द्र मोदी
सचिव अहद मंसुरी
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मुल्थान, ज.पं. बदनावर, जिला धार

आओ मिलकर करें देश का मान,
बनाएं भारत को महान
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
"साफ-सुथरा हो गाँव हमारा, रोशन हो नाम सारा।"
"पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ, पर्यावरण को सुंदर बनाओ।"
सरपंच रामीबाई देवराम वसुनिया
उप सरपंच वीरसिंग मेडा
सचिव जितेन्द्र कुमार उपाध्याय
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत सेमलखेडा, ज.पं. बदनावर, जिला धार

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
80th
Independence day
2026
एक शुभेच्छु

15th अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
अधिक्षक ब्रजेश वाघेला
राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय
उत्कृष्ट सीनियर बालक छात्रावास बदनावर, जिला धार

SADHNA MP/CG/RJ NEWS
MillenniuM INFRA
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं हर घर तिरंगा अभियान में भाग लेकर अपने घर, प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराए।
15 अगस्त, जन्मदिन पर आमिर शेख रोमी - प्रदेश संयोजक, भारतीय पत्रकार संघ AIJ एवं
साधना न्यूज़ ब्यूरो को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं
आमिर शेख रोमी
9425089410

सहकार से समृद्धि
किसानों के आर्थिक उत्थान में अनवरत
सहभागी होने पर हमें गर्व है।
आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
मा. श्री विश्वास जी सारंग
श्री. एल. मकवाना
संध्या रोकड़े
जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन
प्रधान कार्यालय : 33, खण्डवा रोड, बस स्टेण्ड के सामने, खरगोन (म.प्र.)

श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल,आलोट
(अनादिकल्पेश्वर महादेव मंदिर के पास,धरोला)
S. R. PUBLIC SCHOOL
ART
SPORTS
EDUCATION
सभी देश वासियों को शौर्य और
साहस के प्रतीक राष्ट्रीय पर्व
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
SHREE RAJESHWAR PUBLIC SCHOOL
ALOTE Dist-Ratlam
Address: Near Anadi Kalpeshwar Mahadev Mandir Dharola,Alote
Cont.No.9009812880, 9009490892 E-mail - srpsalote@gmail.com

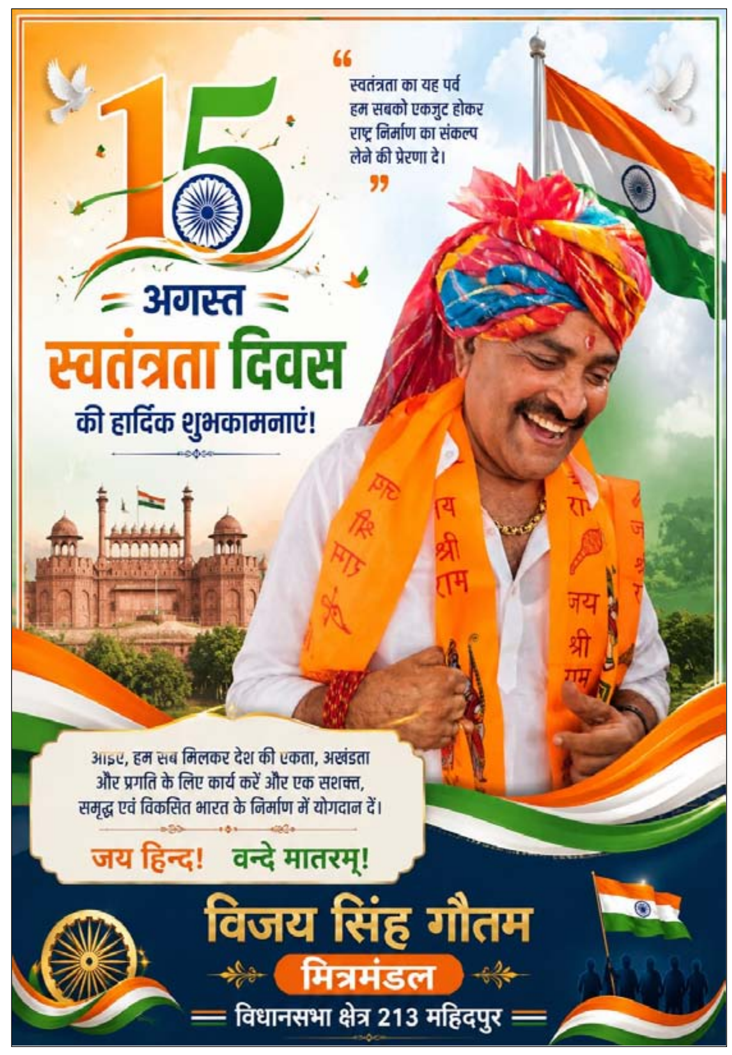
"स्वतंत्रता का यह पर्व
हम सबको एकजुट होकर
राष्ट्र निर्माण का संकल्प
लेने की प्रेरणा दे।"
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता
और प्रगति के लिए कार्य करें और एक सशक्त,
समृद्ध एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।
जय हिन्द! वन्दे मातरम्!
विजय सिंह गौतम
मित्रमंडल
विधानसभा क्षेत्र 213 महिदपुर

विमल Gutkha
केसर-युक्त
विमल
Gutkha
स्वतंत्रता दिवस पर
आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की
शहरवासियों को
हार्दिक -हार्दिक शुभकामनाएं
1. सम्पत्ती कर, जल कर का समय पर भुगतान करें,
नगर विकास में सहयोग प्रदान करें।
2. नियत स्थान पर ही कचरा कुड़ादान में डालकर
स्वच्छता मिशन में सहयोग प्रदान करें।
आओ सपनों से भी प्यारा अपना देश बनाएं
अपने नगर को प्रदेश का सिरमौर बनाएं
श्री प्रेम जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका शाजापुर
INDIA
श्री संतोष जोशी
उपाध्यक्ष
नगर पालिका शाजापुर
सौजन्यः- नगर पालिका परिषद शाजापुर

रात में काम कर सुबह तक सड़क खाली करें.. लापरवाही नहीं चलेगी

खाक चौक- मंगलनाथ और सिद्धवट मार्ग का निरीक्षण- संभागायुक्त ने पेवर ब्लॉक, सीवरेज और पेयजल लाइन के काम समय पर पूरे करने के दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रहे सड़क और मार्ग चौड़ीकरण कार्यों की रफ्तार बढ़ाने के साथ अब निर्माण एजेंसियों को आमजन की परेशानी रोकने के भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शुक्रवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने खाक चौक चौराहा से मंगलनाथ मंदिर मार्ग तथा सिद्धवट मंदिर के सामने चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण कर सबसे ज्यादा जोर निर्माण के नाम पर दिनभर सड़क पर मटेरियल पड़ा न रहे और यातायात बाधित न हो।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने निर्माण एजेंसियों को दो टूक निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण का काम जहां संभव हो, रात्रि में किया जाए। सुबह यातायात शुरू होने से पहले सड़क पर पड़ा निर्माण मटेरियल, मलबा और अन्य सामग्री पूरी तरह हटा दी जाए। उन्होंने कहा कि दिन के समय सड़क पर निर्माण सामग्री पड़ी रहने से यातायात प्रभावित होता है और आम लोगों को परेशानी होती है।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य की गति के साथ यातायात व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाए। सिंहस्थ के मद्देनजर इन मार्गों पर आने वाले समय में श्रद्धालुओं और वाहनों का दबाव बढ़ेगा, इसलिए अभी से ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि निर्माण कार्य जनता के लिए परेशानी का कारण न बने।

सड़क खोदने से पहले सीवरेज-पेयजल लाइन का काम पूरा करें- निरीक्षण में एक महत्वपूर्ण निर्देश यह भी रहा कि सड़क निर्माण शुरू करने से पहले संबंधित क्षेत्र की सीवरेज और पेयजल पाइप लाइन का काम पूरा किया जाए। अधिकारियों को स्पष्ट किया गया कि सड़क बनने के बाद दोबारा उसे खोदने की स्थिति नहीं बननी चाहिए।

संभागायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक विभाग काम पूरा करे और बाद में दूसरे विभाग द्वारा उसी सड़क को खोदने की स्थिति नहीं आनी चाहिए। इससे समय और सरकारी धन दोनों की बर्बादी होती है और जनता को भी परेशानी झेलनी पड़ती है।

दोनों ओर 4-4 मीटर पेवर ब्लॉक- खाक चौक चौराहा से मंगलनाथ मंदिर तक निर्माणाधीन मार्ग का निरीक्षण करते हुए संभागायुक्त ने सड़क के दोनों ओर 4-4 मीटर चौड़ाई में पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद इंजीनियरों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण को निर्धारित मापदंडों के अनुसार पूरा करने को कहा।

अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सड़क और मार्ग चौड़ीकरण के काम को केवल जल्द पूरा करना लक्ष्य न हो, बल्कि ऐसा निर्माण हो जो लंबे समय तक टिकाऊ रहे।

सिद्धवट के सामने भी पेवर ब्लॉक लगाएं - इसके बाद संभागायुक्त और कलेक्टर ने सिद्धवट मंदिर के सामने चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। यहां भी सड़क के दोनों ओर पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने मौके पर चल रहे कार्य की स्थिति की जानकारी दी।

सिंहस्थ से पहले काम पूरा करना जरूरी- संभागायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए शहर में बड़े पैमाने पर विकास और निर्माण कार्य चल रहे हैं। ऐसे में सभी विभागों और निर्माण एजेंसियों को आपसी तालमेल से काम करना होगा। निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों और उनकी गुणवत्ता भी बनी रहे, यह अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने विशेष रूप से यातायात व्यवस्था और आमजन की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया कि निर्माण की जल्दबाजी में जनता की आवाजाही प्रभावित नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, इंजीनियर और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवसः आज केन्द्रीय जेल से 9 बंदियों की रिहाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आजादी के पर्व स्वतंत्रता दिवस पर इस बार केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ की सलाखों से 9 बंदियों को रिहा किया जायेगा। जेल मुख्यालय से रिहाई का आदेश आ चुका है। आज ध्वजारोहण के बाद उन्हे अपराध मुक्त नई जिंदगी की शुरूआत करने के लिये छोड़ दिया जायेगा।

प्रदेश में राष्ट्रीय पर्वो पर जेलों में आजीवन कारावास की सजा काटने वाले बंदियों को उनके अच्छे आचरण पर समय से पहले रिहाई देने का प्रावधान तय किया गया है। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर इस बार प्रदेश की जेलों से 530 बंदियों को रिहा किया जायेगा। उज्जैन केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ से 9 बंदियों को रिहाई मिलेगी। जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि रिहा होने वाले बंदियों में इंदर/कमल पिता रामचंद्र लालपुर थाना नरवर जिला उज्जैन, ईश्वर पिता मांगीलाल देवगुराडिया टोकखुर्द देवास, बालू पिता गुलाब खेजडाखेड़ी सोमतकला आगर-मालवा, संजय पिता सुंदरलाल रूडजी गौतमपुरा इंदौर, देवीलाल पिता जेतराम कुशालपुरा मनासा नीमच, विनोद पिता भगवान भदाना रामपुरा नीमच, गणपत पिता श्रीकिशन मरेठी अहमदपुर सिहोर, संदीप पिता कुंज बिहारी शर्मा शिवनगर छोल्लामंदिर भोपाल और गोलू/गोल्डी पिता जोसफ बाणगंगा नाका इंदौर शामिल है। सभी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन जेल में उनका आचरण अच्छा और नियमों का पालन करने पर उनकी रिहाई के लिये मुख्यालय को नाम भेजे गये थे। सभी के नामों पर मुख्यालय से रिहाई की सहमति प्राप्त हुई है। 15 अगस्त को जेल परिसर में स्वतंत्रता दिवस का पर्व ध्वजारोहण के साथ मनाया जायेगा। जेल में बंदियों द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेगें। कार्यक्रम के बाद रिहाई पाने वालों को अपराध मुक्त नई जिंदगी की शुरूआत के लिये छोड़ दिया जायेगा। सभी के परिजनों को रिहाई से अवगत करा दिया गया है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर एवं एसपी ने किया विभिन्न ग्रामों का भ्रमण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेशभर में प्रत्येक शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत आज उज्जैन जिले में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, मूलभूत सुविधाओं, कृषि गतिविधियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं एसपी श्री प्रदीप शर्मा ने ग्राम चंदेसरा में कृषक श्री भारत आंजना द्वारा की जा रही पुष्प खेती का अवलोकन किया। कृषक द्वारा गुलाब, गेंदा एवं कुंद की खेती की जा रही है।

बिजली पोल भी चोरों के निशाने पर, दिनदहाड़े 3 पोल चोरी

हाइड्रा और लोडिंग वाहन से भारी-भरकम पोल ले गए संदिग्ध- सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात- तीन लोगों की भूमिका जांच के घेरे में

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच बिजली व्यवस्था के लिए जुटाई जा रही सामग्री पर भी चोरों की नजर पड़ गई है। बापू नगर क्षेत्र में विद्युत कार्य के लिए साइट पर रखे तीन भारी-भरकम विद्युत पोल दिनदहाड़े चोरी हो गए। हैरानी की बात यह है कि चोर किसी छिपे रास्ते से नहीं, बल्कि हाइड्रा मशीन और लोडिंग वाहन की मदद से खुलेआम पोल उठाकर ले गए। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

विद्युत वितरण कंपनी के लिए 11 केवी फीडर का काम कर रहे ठेकेदार अमित सिंह परिहार की बापू नगर स्थित साइट पर सिंहस्थ की तैयारियों के तहत विद्युत पोल रखे गए थे। यहां तीन एचबीएम पोल और आरएस-जॉस्ट साइट पर लगाए जाने थे। साइट इंचार्ज राजेंद्र सिंह राठौर जब मौके पर पहुंचे तो वहां रखे तीनों पोल गायब मिले।

भारी पोल उठाने के लिए लाए हाइड्रा- पोल गायब मिलने के बाद साइट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज सामने आते ही मामला और चौंकाने वाला हो गया। इसमें कुछ लोग हाइड्रा मशीन और लोडिंग वाहन की मदद से भारी-भरकम विद्युत पोल उठाकर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिस वाहन से पोल ले जाए गए, वह भी कैमरे में साफ नजर आया है।

तीन संदिग्धों के नाम आवेदन में- चोरी की घटना को लेकर साइट इंचार्ज राजेंद्र सिंह राठौर ने चिमनगंज मंडी थाने में आवेदन दिया है। आवेदन के साथ सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराई गई है। फुटेज के आधार पर कुछ लोगों को संदिग्ध बताया गया है।

आवेदन में हाइड्रा मालिक ध्रुव जाट, चालक तूफान और इम्तियाज के नाम संदिग्धों के रूप में बताए गए हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, वाहन और आवेदन में दिए गए नामों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है।

सिंहस्थ की तैयारी में सुरक्षा पर सवाल- सिंहस्थ 2028 के लिए शहर में बड़े पैमाने पर बिजली, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े काम चल रहे हैं। ऐसे में निर्माण सामग्री की निगरानी और सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

जिस तरह दिनदहाड़े हाइड्रा और लोडिंग वाहन के जरिए तीन विद्युत पोल उठा लिए गए, उसने सिंहस्थ की तैयारियों के बीच निर्माण सामग्री की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह पता लगाने में जुटी है कि पोल किस उद्देश्य से और कहां ले जाए गए तथा चोरी की इस वारदात में शामिल लोगों की वास्तविक भूमिका क्या थी।

कलेक्ट्रेट में फूट-फूटकर रोईं जेन-जी और जेन-अल्फा बेटियां

बोली, 'हमारा भविष्य मत छीनो'

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सराफा स्कूल को शहर से करीब 12 से 15 किलोमीटर दूर दाऊदखेड़ी ले जाने के प्रस्ताव ने जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी की छात्राओं को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया। शुक्रवार को करीब 100 छात्राएं और अभिभावक कलेक्ट्रेट पहुंचे। छात्राओं ने जमीन पर बैठकर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे लगाए। उनके हाथों में 'बेटी अनमोल है', 'हम अपना अधिकार मांगते हैं' और 'दाऊदखेड़ी नहीं जाएंगे' लिखी तख्तियां थीं।

प्रदर्शन के दौरान माहौल बेहद भावुक हो गया। दो छात्राएं बेहोश हो गईं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं एक छात्रा रोते-रोते प्रशासन से गुहार लगाती रही कि ÷हमारा भविष्य बर्बाद मत करिए... हमारी बात सुनने वाला कोई नहीं है।÷ जेन-जी और जेन-अल्फा छात्राओं की आंखों में आंसू थे और सवाल एक ही था, स्कूल दूर जाएगा तो हमारी पढ़ाई और सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा?

'हमसे हमारा स्कूल मत छीनिए'—जेन-जी और जेन-अल्फा की पुकार- जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी की छात्राओं ने कहा कि स्कूल को शहर से इतनी दूर ले जाना उनके लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर देगा। रोज 12 से 15 किलोमीटर आने-जाने में समय और पैसा दोनों लगेंगे। सार्वजनिक परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने पर परिवारों को अतिरिक्त साधन जुटाने पड़ेंगे।

छात्राओं ने कहा कि पढ़ाई के लिए स्कूल जाते समय रास्ते की सुरक्षा भी बड़ी चिंता है। उन्होंने सवाल किया—÷अगर रास्ते में हमारे साथ कोई घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?÷

कलेक्ट्रेट में गूंजे नारे—'दाऊदखेड़ी नहीं जाएंगे'- प्रदर्शन के दौरान जेन-जी और जेन-अल्फा छात्राओं ने 'दाऊदखेड़ी नहीं जाएंगे', 'यह मनमानी नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाए। कई छात्राएं भावुक होकर रो पड़ीं। उनका कहना था कि स्कूल की दूरी बढ़ाने का असर सीधे उनकी पढ़ाई और भविष्य पर पड़ेगा।

अभिभावक बोले, बेटियों को रोज इतनी दूर भेजना चिंता की बात- अभिभावकों ने कहा कि शहर से 12 से 15 किलोमीटर दूर स्कूल होने पर बच्चों को रोज लंबी दूरी तय करनी होगी। इससे आने-जाने का खर्च बढ़ेगा और जेन-जी व जेन-अल्फा छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता भी बनी रहेगी।अभिभावकों का कहना था कि स्कूल सिर्फ भवन का नाम नहीं है। बच्चों की पहुंच, सुरक्षा और सुविधाएं भी उतनी ही जरूरी हैं।

शिक्षा संघर्ष समिति ने दूरी पर उठाए सवाल- शिक्षा संघर्ष समिति के अधिवक्ता जितेंद्र सेंगर ने स्कूल को दाऊदखेड़ी शिफ्ट करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि शिक्षा के अधिकार कानून में बच्चों के निवास स्थान से स्कूल की दूरी को लेकर प्रावधान हैं। उनके अनुसार प्राथमिक स्तर पर स्कूल की दूरी 1 से 3 किलोमीटर, माध्यमिक स्तर पर 5 किलोमीटर और दसवीं तक के विद्यार्थियों के लिए अधिकतम 8 किलोमीटर के दायरे में होना चाहिए। ऐसे में करीब 12 से 15 किलोमीटर दूर स्कूल ले जाने के निर्णय पर पुनर्विचार जरूरी है।

जिला शिक्षा अधिकारी बोले,अंतिम निर्णय निगरानी समिति करेगी- जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री ने कहा कि स्कूलों से संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजे गए थे। स्कूल को दाऊदखेड़ी ले जाने का निर्णय शासन स्तर से लिया गया है। इस मामले में अंतिम निर्णय जिला स्तरीय निगरानी समिति करेगी।

आंसुओं में निकली जेन-जी और जेन-अल्फा की पुकार- हमारा भविष्य मत छीनो...कलेक्ट्रेट में रोती छात्रा के ये शब्द पूरे प्रदर्शन की सबसे मार्मिक तस्वीर बन गए। जेन-जी और जेन-अल्फा की नई पीढ़ी की छात्राओं का कहना था कि वे पढ़ना चाहती हैं, आगे बढ़ना चाहती हैं, लेकिन स्कूल को इतनी दूर ले जाने से उनके सामने पढ़ाई के साथ सुरक्षा और आवागमन की नई चुनौती खड़ी हो जाएगी।

यह है जेन-जी और जेन-अल्फा छात्राओं की चिंता...

12-15 किमी दूरी – रोज लंबा सफर

सुरक्षा – रास्ते में बेटियों की सुरक्षा कौन देखेगा?

आवागमन – साधन और खर्च की अतिरिक्त परेशानी

पढ़ाई – आने-जाने में समय बढ़ने से पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका

मांग – स्कूल को दाऊदखेड़ी ले जाने का निर्णय वापस लिया जाए

अब निगाह निगरानी समिति पर - एक ओर शासन का स्कूल शिफ्टिंग का निर्णय है, दूसरी ओर जेन-जी और जेन-अल्फा की छात्राओं व अभिभावकों की भावनाएं। कलेक्ट्रेट में रोती बेटियों की पुकार अब जिला स्तरीय निगरानी समिति तक पहुंच गई है। फैसला जो भी हो, जेन-जी और जेन-अल्फा छात्राओं की सुरक्षा, सुविधा और पढ़ाई को केंद्र में रखना सबसे बड़ा सवाल है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 26.70 लाख की धोखाधड़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर चार लोगों से 26.70 लाख की धोखाधड़ी होना सामने आने पर पुलिस ने एक आरोपी और उसकी महिला मित्र उत्तर प्रदेश के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी युवक उज्जैन का रहने वाला है जिसकी तलाश शुरू की गई है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि संदीपनी नगर में रहने वाले जितेन्द्र पिता शत्रुघ्न कुशवाह का परिचय इंदिरानगर में रहने वाले मणिभद्र स्टेशनरी संचालक अमित जैन से था। अमित जैन ने जितेन्द्र को यूरोप में नौकरी दिलाने की बात कही। जिस पर जितेन्द्र ने अपने भाई धीरज, रिश्तेदार पवित्र कुशवाह और दोस्त बादल पिता भूपेन्द्र टंकारिया निवासी कमल कॉलोनी की नौकरी लगवाने की बात भी अमित जैन से की। अमित ने चारों को अपने झांसे में लिया और यूरोप स्थित सुपर मार्केट में ऑपरेटर और क्लर्क सहित अन्य पदों पर नौकरी दिलाने की बात कहते हुए अपनी परिचित महिला फलक हुसैन से परिचय कराया। दोनों ने मिलकर उन्हें वीजा बनवाने, मेडिकल करवाने सहित अन्य दस्तावेज तैयार कराने की बात कहते हुए अलग-अलग समय पर करीब 26 लाख 70 हजार रुपए ले लिए। मार्च 2025 से शुरू हुए नौकरी के झांसे में फंसे चारों ने अगस्त 2026 के प्रथम सप्ताह तक पैसे दिए। लेकिन न तो उनके दस्तावेज तैयार हो पाए न ही उन्हें नौकरी मिलने का कोई पत्र मिला। अमित जैन से नौकरी नहीं दिलाने पर रुपए लौटाने की बात कही तो वह आनाकानी करने लगा। जितेन्द्र कुशवाह ने अपने तीनों साथियों के साथ मिलकर मामले की शिकायत चिमनगंज थाना पुलिस से की। पुलिस ने जांच के बाद मामले में अमित जैन और फलक हुसैन के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया। अमित जैन की तलाश में पुलिस ने इंदिरानगर में दबिश दी। अमित की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की टीम उत्तरप्रदेश फलक की गिरफ्तारी के लिए जाएगी।

इधर रूम बुकिंग के नाम पर ठगी- चिमनगंज थाना पुलिस ने हीरामिल रोड स्थित राजनगर में रहने वाले मनीष पिता प्रकाशचंद्र कोठारी की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ 3 लाख से अधिक की धोखाधड़ी करने का प्रकरण दर्ज किया है। मनीष कोठारी ने शिकायत में बताया कि उसने इंदौर में होटल बुक कराने के लिए गूगल पर सर्च किया था। सयाजी होटल का नंबर मिलने पर संपर्क किया। कॉल करने के बाद उसे होटल के काउंटर पर बात कराई गई। इस दौरान ऑनलाइन पैसे देने के लिए कहा गया। मनीष कोठारी ने क्रेडिट कार्ड होने की बात कही जिस पर उससे क्रेडिट कार्ड के अंतिम चार अंक देने को कहा गया। और बताया कि ओटीपी आएगा। मनीष ने मोबाइल पर आया ओटीपी बताया तो कहा गया कि ट्रांजेक्शन फेल हो गया है दोबारा से ओटीपी भेजा जा रहा है जिसे बताया जाए। दूसरी बार आए ओटीपी बताते ही मनीष के खाते से दो बार ट्रांजेक्शन हुआ और 3 लाख 4 हजार 800 रुपए निकलने का मैसेज मिला। मनीष ने मामले की शिकायत पुलिस थाने पहुंचकर दर्ज कराई।

लिंक भेज कर ठगे एक लाख- ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार नारायणपुरा में रहने वाला खुशाल पिता जगदीश मेहर हो गया। उसकी मंगेतर भाविका ने ऑनलाइन प्रोडक्ट खरीदा था। लेकिन उसके खाते में पैसे कम होने पर उसने खुशाल को यूपीआई से पेमेंट करने की बात कही। भाविका ने लिंक भेजी। जिस पर क्लिक करने के बाद खुशाल के खाते से 99 हजार 990 रुपए का अवैध ट्रांजेक्शन हो गया। मामले की शिकायत खुशाल ने माधवनगर थाना पुलिस को दर्ज कराई है।

आज दशहरा मैदान में होगा स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह, प्रभारी मंत्री करेंगे ध्वजारोहण

सुबह 8:58 बजे शुरू होगा जिला स्तरीय समारोह, परेड की सलामी के साथ होगा देशभक्ति का माहौल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को उज्जैन के दशहरा मैदान में जिला स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे सुबह 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे और इसके बाद परेड की सलामी लेंगे। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के परिजनों, लोकतंत्र सेनानियों और देहदान करने वाले व्यक्तियों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्य समारोह की शुरुआत आज सुबह 8:58 बजे होगी। इसके बाद सुबह 9 बजे राष्ट्रगीत के साथ ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान होगा। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल परेड का निरीक्षण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इसके बाद परेड कमांडरों से परिचय कराया जाएगा।

राष्ट्रीय धुन के बीच हर्ष फायर के बाद जवानों और विद्यार्थियों की टुकड़ियां मार्च पास्ट करेंगी। समारोह में स्कूली विद्यार्थियों द्वारा शारीरिक व्यायाम का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इससे दशहरा मैदान में स्वतंत्रता दिवस का माहौल देशभक्ति से सराबोर नजर आएगा।

मुख्यमंत्री के संदेश का होगा वाचन- समारोह के दौरान सुबह 9:25 से 9:55 बजे तक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन किया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रमों में देशभक्ति और राष्ट्रीय भावना से जुड़े प्रस्तुतियों को शामिल किया जाएगा।

स्वतंत्रता सेनानियों और शहीद परिवारों का सम्मान- समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के परिवारजनों, लोकतंत्र सेनानियों और देहदान करने वाले व्यक्तियों के परिजनों को आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। प्रशासन की ओर से वृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान का भी विशेष प्रबंध किया गया है। ऐसे सेनानियों के घर जाकर कलेक्टर या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मान करेंगे।

विद्यार्थियों के साथ भोजन करेंगे मंत्री- स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, दशहरा मैदान में सहभोज आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद और सामूहिक सहभागिता का संदेश देना है।

पुरस्कार वितरण के साथ होगा समापन- समारोह के अंतिम चरण में विभिन्न कार्यक्रमों और प्रस्तुतियों में शामिल विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। सम्मान और पुरस्कार वितरण के बाद जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन होगा। प्रशासन ने समारोह को गरिमापूर्ण और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

मजदूर ने साड़ी का फंदा बनाकर लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ईट भट्टे पर मजदूरी करने वाले युवक ने रात में साली का फंदा बनाकर फांसी लगा ली उसे अन्य मजदूरों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने परिवार को घटना से अवगत कराया है। जिनके आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि गोंसा मार्ग रणजीत हनुमान मंदिर के पास अशोक प्रजापत के ईट भट्टे पर कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ से मजदूरी के लिए राजकुमार पिता मंत्री राम 35 साल आया था। उसे भट्टे पर ही रहने के लिए कमरा दिया गया था। रात में उसने अपने कमरे में पुरानी साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। कम से लोटे अन्य मजदूरों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फंदे से शव को नीचे उतरा और अस्पताल पहुंचाया। परिजनों को सूचना दी गई इस दौरान सामने आया कि राजकुमार की पत्नी उसे छोड़कर जा चुकी थी जिसके चलते वह भी छत्तीसगढ़ छोड़कर चला गया था। पुलिस के अनुसार परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा फिलहाल शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप स्वास्थ्य केन्द्र तलून का किया निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बड़वानी जिले के प्रवास के दौरान दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र तलून का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए ग्रामीणों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारी से क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं की संख्या, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की पहचान और उनके स्वास्थ्य की निगरानी के संबंध में भी जानकारी ली। इसके साथ ही क्षेत्र में सिकलसेल से प्रभावित मरीजों की संख्या तथा उनके उपचार एवं स्वास्थ्य निगरानी की स्थिति के बारे में भी पूछा।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंत्रा फाउंडेशन द्वारा तैयार किए गए स्वास्थ्य संबंधी मैप का अवलोकन किया। मैप के माध्यम से बताया गया है कि क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) तथा बच्चों से संबंधित स्वास्थ्य जानकारी को बिन्दुओं के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसी प्रकार सिकलसेल से प्रभावित मरीजों तथा कुपोषण की स्थिति को भी मैप पर चिन्हित किया गया है, जिससे संबंधित हितग्राहियों की पहचान कर उनकी नियमित स्वास्थ्य निगरानी और आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने में सुविधा होती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पहल की जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की मैपिंग के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्र पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की अनमोल पोर्टल पर की जा रही एंट्री के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण की स्थिति और केन्द्र पर उपलब्ध दवाइयों के बारे में पूछा।

कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी नियमित रूप से पोर्टल पर दर्ज की जा रही है। केन्द्र पर सभी प्रकार की आवश्यक दवाइयां समय पर उपलब्ध हो जाती हैं तथा ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़वानी जिले के पाटी क्षेत्र के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में ग्रीन कमांडो अभियान के अंतर्गत किए जा रहे स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

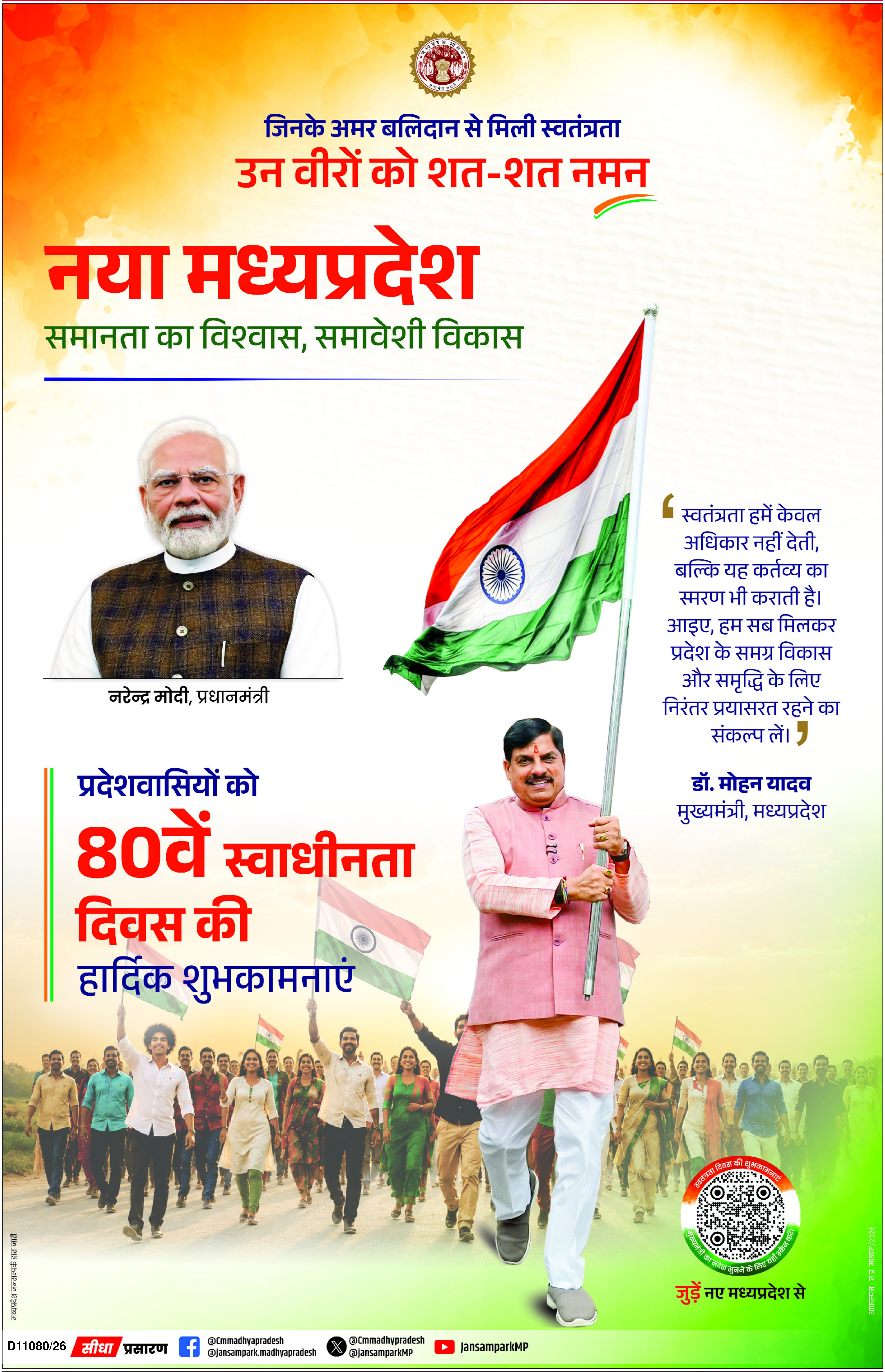

जिनके अमर बलिदान से मिली स्वतंत्रता
उन वीरों को शत-शत नमन
नया मध्यप्रदेश
समानता का विश्वास, समावेशी विकास
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
स्वतंत्रता हमें केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि यह कर्तव्य का स्मरण भी कराती है। आइए, हम सब मिलकर प्रदेश के समग्र विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लें।
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
प्रदेशवासियों को
80वें स्वाधीनता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
मुख्यमंत्री का संदेश सुनने के लिए यहाँ स्कैन करें।
जुड़ें नए मध्यप्रदेश से
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
D11080/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP